हिन्दी दैनिक

R.N.I.NO.UPHIN/2014/59804

# प्रयाग दर्पण

वर्ष : 09 | अंक : 69 | प्रयागराज, शुक्रवार 09 जून , 2023 | हिन्दी दैनिक | पृष्ठ–4 | मूल्य : 3 रुपया

## ओडिशा ट्रेन हादसा-288 यात्रियों की मौत हुई , जिनमें से 82 की पहचान बाकी

**भुवनेश्वर।** ओडिशा में हुए तीन ट्रेन हादसे के छह दिन बाद भी कुछ परिवारों को अभी तक अपने प्रियजनों के शव नहीं मिले हैं। 2 जून की शाम को हुए भीषण ट्रेन हादसे में कम से कम 288 यात्रियों की मौत हो गई है, जिनमें से 82 की पहचान नहीं हो पाई है। एक अधिकारी ने गुरुवार को बताया कि अन्य शवों को संबंधित दस्तावेजों के सत्यापन के बाद मृतकों के परिवारों को सौंप दिया गया है। इस बीच, पश्चिम बंगाल, झारखंड और बिहार जैसे राज्यों के बहुत सारे लोग एम्स भुवनेश्वर में अपने परिवार के सदस्यों के पार्थिव शरीर का इंतजार कर रहे हैं। जहां कुछ शवों पर दावा करने वाला कोई नहीं है, तो वहीं कई परिवार एक शव पर दावा करते हैं। शवों की हालत काफी खराब होने के कारण परिजनों को शिनाख्त में भी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। अब दावेदार डीएनए टेस्ट रिपोर्ट का इंतजार कर रहे हैं, जो अगले दो से तीन दिनों में आ जाएगी। मृतकों और दावेदारों के डीएनए सैंपल को क्रॉस वेरिफिकेशन के लिए एम्स नयी दिल्ली भेजा गया है। अधिकारी ने कहा कि एक बार रिपोर्ट आने के बाद शवों को वास्तविक दावेदारों को सौंप दिया जाएगा। इस बीच पश्चिम बंगाल के एक शख्स ने आरोप लगाया कि उसके 22 साल के बेटे का शव बिहार के लोगों को सौंप दिया गया है। पश्चिम बंगाल के कूचबिहार जिले के सिबकांत रॉय सदमे में हैं क्योंकि उनके बेटे बिपुल रॉय का शव बिहार के एक अन्य परिवार द्वारा ले जाया गया। रॉय ने कहा कि जब मुझे कोरोमंडल एक्सप्रेस की चौंकाने वाली ट्रेन दुर्घटना के बारे में पता चला, तब मैं अरुणाचल प्रदेश में था। मेरा बेटा भी इसी एक्सप्रेस ट्रेन में यात्रा कर रहा था। मैं तुरंत घर वापस चला गया और हमारे बीडीओ से वाहन की व्यवस्था करने का अनुरोध किया। उन्होंने वाहन की व्यवस्था की ओर मैं बालासोर पहुंचा। इधर–उधर खोजने पर पिता को मृतक की तस्वीरों के बीच एक दीवार पर बिपुल की तस्वीर लगी मिली। बेटे की मौत से स्तब्ध सिबकांत ने जब अपने बेटे का शव मांगा तो पता चला कि बिहार का कोई व्यक्ति ले गया है। उन्होंने आगे कहा कि एम्स भुवनेश्वर पहुंचने के बाद मुझे पता चला कि मेरे बेटे का शव कोई और ले गया है। अधिकारियों ने यह भी कहा कि मृत व्यक्ति की उम्र पर बिहार परिवार को शव सौंपते समय उन्हें उनके दावे पर संदेह था।

भुवनेश्वर नगर निगम के आयुक्त विजय अमश्ता कुलंगे ने कहा कि शेष 82 शवों की शिनाख्त की जा रही है। हम दावेदारों के सत्यापन के लिए संबंधित राज्य सरकार के अधिकारियों के साथ बातचीत कर रहे हैं। किसी भी विवाद की स्थिति में हम शव नहीं सौंप रहे हैं। पश्चिम बंगाल, झारखंड और बिहार के सरकारी अधिकारी यहां हैं। अधिकारियों के साथ क्रॉस वेरिफिकेशन के बाद ही शव दिए जाएंगे।

## जम्मू-कश्मीर में हिजाब को लेकर मचा बवाल, स्कूल में एंट्री नहीं मिलने पर भडकी छात्राएं

**श्रीनगर।** जम्मू–कश्मीर में हिजाब को लेकर हंगामा मच गया है। ताजा मामला श्रीनगर से सामने आया है, जहां एक प्राइवेट निजी हायर सेकेंडरी स्कूल प्रशासन ने अबाया (एक तरह का हिजाब होता है जो सिर से लेकर पेट तक का होता है, इसमें सिर्फ चेहर खुला होता है) पहनकर आने वाली महिला छात्रा को स्कूल में घुसने की अनुमति नहीं दी। इसके बाद वहां पर हंगामा शुरू हो गया। छात्रा का कहना है कि यह हमारे अल्लाह का फरमान है। हम नहीं निकालेंगे। स्कूल आने वाली कई छात्राओं ने प्रशासन के इस फैसले का विरोध किया है। श्रीनगर में स्कूल की छात्राएं जब अबाया पहनकर आईं तो इनको प्रशासन ने प्रवेश देने से मना कर दिया। एक छात्रा जिसका नाम नौशिया मुश्ताद है जोकि 12वीं की छात्रा है। छात्रा का कहना है कि दो तीन–दिन पहले से कहा जा रहा है कि अबाया पहनकर स्कूल नहीं आना। ये यहां पर अलाउ नहीं है। इसके बाद छात्राएं प्रिंसिपल के पास गईं। हमने बताया कि हम लोग अबाया के बिना स्कूल नहीं आ सकतीं है। हम लोग बिन अबाया के बिना कंफर्टेबल नहीं हैं।

## कांग्रेस का नेतृत्व हमारे देश के लोकतंत्र पर चोट करने के लिए बाहरी ताकतों का इस्तेमाल कर रहा है- स्मृति ईरानी

**नई दिल्ली।** केंद्रीय महिला एवं बाल विकास और अल्पसंख्यक मामलों की मंत्री स्मृति ईरानी ने गांधी परिवार के मुस्लिम प्रेम पर सवाल उठाते हुए कहा है कि जो गांधी खानदान अपने आपको मुस्लिम समुदाय का संरक्षक बताता है उनसे यह सवाल पूछा जाना चाहिए कि उनकी सरकार में भारत सरकार ने महज 12 हजार करोड़ रुपए का खर्च दिखाया था, जबकि पिछले नौ सालों के दौरान मोदी सरकार ने 31,450 करोड़ रुपये खर्च किए हैं। उन्होंने आगे कहा कि इनके स्कॉलरशिप के लिए भी कांग्रेस सरकार ने केवल 860 करोड़ रुपये का आवंटन किया था, जबकि मोदी सरकार ने 2,691 करोड़ रुपये का आवंटन किया है। केंद्रीय मंत्री ने कटाक्ष करते हुए कहा कि यह आकंड़े अपने आप में कांग्रेस की सच्चाई बताते हैं।भाजपा राष्ट्रीय मुख्यालय में मीडिया से बात करते हुए केंद्रीय मंत्री ने राहुल गांधी के मोहब्बत की दुकान वाले बयान को लेकर पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए कहा कि उन्हें यह बताना चाहिए कि क्या सिखों का नरसंहार करना, सेंगोल का अपमान करना, अपनी ही संसद का बहिष्कार करना, राजस्थान में महिलाओं का अपहरण, भारत को तोड़ने वाले लोगों के साथ खड़े होना, भारत के बाहर जाकर अपने ही लोकतंत्र के खिलाफ खड़े होना मोहब्बत है? उन्होंने कहा कि यह कैसी मोहब्बत है जो देश से नहीं बल्कि अपनी पॉलिटिकल सियासत से है। स्मशति ईरानी ने राहुल गांधी पर हमला जारी रखते हुए कहा कि कांग्रेस का नेतश्त्व हमारे देश के लोकतंत्र पर चोट करने के लिए बाहरी ताकतों का इस्तेमाल कर रहा है। जैसे–जैसे चुनाव नजदीक आता जा रहा है वैसे–वैसे कांग्रेस के नेताओं की इस प्रकार की गतिविधियों का बढ़ना आपने आप में इस बात का संकेत है कि कांग्रेस सत्ता की भूख में अपने ही देश की लोकतांत्रिक प्रणाली पर चोट करने को आमादा है, आखिर गांधी खानदान इतना असहाय क्यों हैं ? बिहार में होने वाली विपक्षी नेताओं की बैठक पर कटाक्ष करते हुए स्मशति ईरानी ने कहा कि वे लोग जो एक दूसरे में सहारा ढूंढ रहे हैं, जो खुद अपने पैरों पर खड़े होने में विफल है, वे लोग जहां एकत्रित होने वाले हैं वहीं पर 1750 करोड़ रुपये का एक पूरा का पूरा ढांचा (पुल) पानी में बह गया, उन लोगों के अरमान भी उसी प्रकार से 2024 (लोक सभा चुनाव) में बह जाएंगे। महिला पहलवानों के मुद्दें पर कांग्रेस नेताओं द्वारा की जा रही अपनी आलोचना पर पलटवार करते हुए स्मशति ईरानी ने कहा कि कांग्रेस उन पर निशाना साधना बंद कर दे तो उस दिन सूरज दक्षिण से उगेगा।

## भाजपा का नीतीश पर तंज, जो बैठक फाइनल नहीं कर पा रहे, वह प्रधानमंत्री कैंडीडेट कैसे करेंगे फाइनल

**पटना।** जनता दल यूनाइटेड के नेता तथा बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की ओर से विपक्ष को इकट्ठा करने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं लेकिन भाजपा ने नीतीश कुमार की इन कोशिशों पर बडे सवाल खडे किए हैं। विपक्षी एकता के लिए नीतीश कुमार की ओर से 12 जून को एक बैठक रखी गई थी। यह बैठक स्थगित हो गई है और इसके लिए नई तारीख की घोषणा नहीं की गई है। नीतीश कुमार की इन कोशिशों पर तंज कसते हुए भाजपा महासचिव तथा बिहार के इंचार्ज विनोद तावडे ने कहा कि जो दल आपस में बैठक करने के लिए तारीख फाइनल नहीं कर सकते, वे संयुक्त नीति बनाकर प्रधानमंत्री उम्मीदवार कैसे तय करेंगे। इस मामले में केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी ने कहा कि विपक्षी दल आपस में बंटे हुए हैं। हम खुद चाहते हैं कि एक जिम्मेदार विपक्ष बने लेकिन मौजूदा समय में जो विपक्ष है, वह अजीब किस्म का है जिसमें आधे नेता तो नेतश्त्व के लिए कोशिशों में जुटे हैं जबकि आधे आपस में भिड रहे हैं। नीतीश कुमार पर हमला बोलने वालों में भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला भी शामिल हो गए हैं तथा उन्होंने तो गंगा नदी पर निर्माणाधीन पुल के गिरने को लेकर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार विपक्षी एकजुटता का पुल बनने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन उन्हें यह नहीं पता था कि उनके राज्य में भ्रष्टाचार के बिना कोई पुल नहीं बना जबकि दूसरी तरफ नीतीश कुमार का कहना है कि 12 जून की बैठक इसलिए रद्द की गई है कि उस दिन डी.एम.के. तथा कांग्रेस के नेताओं की व्यस्तता थी। उन्होंने कहा कि अगली बार सभी पार्टियों की उपलब्धता के आधार पर ही बैठक रखी जाएगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस तथा डी.एम.के. के नेताओं को अगली तारीख बताने के लिए कहा गया है। नीतीश कुमार ने यह भी कहा कि उन्होंने सभी राजनीतिक दलों को साफ कर दिया है कि उनके प्रमुखों के साथ ही बैठक होगी, अगर कोई पार्टी का प्रमुख नेता शामिल न होकर अपने किसी प्रतिनिधि को भेजता है तो वह मंजूर नहीं होगा। नीतीश कुमार ने यह भी कहा कि संभावना जताई जा रही है कि कांग्रेस अपने अध्यक्ष की बजाय किसी और को भेज सकती है लेकिन यह स्वीकार नहीं होगा। इस मामले में कुछ भी छिपा हुआ नहीं है कि ममता बनर्जी ने ही पटना में बैठक का प्रस्ताव दिया था, लेकिन कांग्रेस चाहती थी कि बैठक को लेकर राहुल अंतिम फैसला लें। अब संभावना जताई जा रही है कि जून के अंतिम सप्ताह में यह बैठक हो सकती है। वैसे 23 जून को बैठक होने की भी चर्चा है।

## लिव इन पार्टनर के टुकडे कर कुकर में उबालने वाले आरोपी का बडा खुलासा, मैनें मर्डर नहीं ब्लकि उसने सुसाइड किया

**मुंबई।** मुंबई में हुए सनसनीखेज लिव इन पार्टनर हत्या मामलें ने जहां पूरे देश को हिला दिया है वहीं इस मामले में आरोपी मनोज सिन्हा ने पूछताछ के दौरान एक बडा खुलासा किया जिसके बाद पुलिस हर एंगल से जांच कर रही है। ददरअसल मुंबई के मीरा रोड हत्याकांड मामले में आरोपी मनोज सिन्हा ने ने अपनी लिवइन पार्टनर सरस्वती वैद्य की हत्या से इनकार किया।

उसका कहना है कि उसने सरस्वती की हत्या नहीं की, बल्कि उसने खुद 3–4 दिन पहले जहर खाकर आत्महत्या की थी. पुलिस ने इसका कारण पूछा तो मनोज ने बताया कि उसे सरस्वती के चरित्र पर शक था और इसी बात पर दोनों के बीच झगडा होता रहता था। घटना वाले दिन भी दोनों के बीच इस बीत को लेकर झगडा हुआ था जिसके बाद घर आकर सरस्वती ने जहर पीकर आत्महत्या कर ली। शव के टुकडों के बारे में आरोपी मनोज ने बताया कि सरस्वती के इस तरह आत्महत्या करने से वो बहुत डर गया था ।

## 'सीमा पर अमन और शांति के बिना रिश्ते सामान्य नहीं हो सकते', चीन से संबंधों पर बोले विदेश मंत्री एस जयशंकर

**नई दिल्ली।** बीजिंग को स्पष्ट संदेश देते हुए भारत ने पूर्वी लद्दाख में सीमा पर स्थिति सामान्य नहीं होने तक चीन के साथ संबंधों के सामान्य होने की बात को निराधार करार देते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि सीमावर्ती क्षेत्रों में अमन और शांति होने पर ही चीन के साथ संबंधों में प्रगति हो सकती है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सैनिकों की 'अग्रिम मोर्चे पर तैनाती को मुख्य समस्या करार दिया। केंद्र में नरेन्द्र मोदी सरकार के कार्यकाल के नौ वर्ष पूरे होने के अवसर पर जयशंकर ने कहा,'' भारत भी चीन के साथ संबंधों को बेहतर बनाना चाहता है लेकिन यह केवल तभी संभव है तब सीमावर्ती क्षेत्रों में अमन और शांति हो। उन्होंने चीन को पूरी तरह से स्पष्ट किया कि जब तक सीमावर्ती क्षेत्रों में अमन और शांति नहीं होगी, तब तक दोनों देशों के संबंध आगे नहीं बढ़ सकते। जयशंकर ने उत्तरी सीमा की स्थिति और चीन की 'बेल्ट एंड रोड पहल के खिलाफ देश के रुख का हवाला देते हुए कहा कि भारत किसी दबाव, लालच और गलत विमर्श से प्रभावित नहीं होता। बता दें कि 'बेल्ट एंड रोड पहल चीन द्वारा प्रायोजित एक योजना है जिसमें पुराने सिल्क रोड के आधार पर एशिया, अफ्रीका और यूरोप के देशों में आधारभूत सम्पर्क ढांचे का विकास किये जाने की योजना है। भारत और चीन के बीच पूर्वी लद्दाख में संघर्ष के कुछ क्षेत्रों में पिछले तीन वर्षो से अधिक समय से तनातनी है। हालांकि दोनों देशों के बीच अनेक दौर की सैन्य और कूटनीतिक वार्ता के बाद कुछ क्षेत्रों से दोनों पक्ष पीछे हटे हैं। विदेश मंत्री ने कहा कि दोनों पक्षों को अपने सैनिकों को पीछे हटाने के रास्ते तलाशने होंगे और वर्तमान गतिरोध चीन के हित में भी नहीं है। इस संबंध में सवालों के जवाब में जयशंकर ने कहा, '' वास्तविकता यह है कि संबंध प्रभावित हुए हैं और यह प्रभावित होते रहेंगे अगर कोई ऐसी उम्मीद रखता है कि सीमा पर स्थिति सामान्य नहीं होने के बावजूद हम किसी प्रकार (संबंध) सामान्य बना लेंगे तो ये उचित उम्मीद नहीं है। यह पूछे जाने पर कि क्या मई 2020 के सीमा विवाद के बाद चीन ने भारत के क्षेत्र पर कब्जा किया है, जयशंकर ने कहा कि समस्या सैनिकों की अग्रिम मोर्चे पर तैनाती है। जून 2020 में गलवान घाटी में संघर्ष के बाद से दोनों देशों के बीच संबंध ठीक नहीं है और इसके कारण दशकों में पहली बार दोनों पक्षों के बीच गंभीर सैन्य संघर्ष की स्थिति उत्पन्न हो गई थी। जयशंकर ने कहा, '' हम चीन के साथ संबंधों को बेहतर बनाना चाहते हैं। लेकिन यह तभी संभव है तब सीमावर्ती क्षेत्रों में अमन और शांति हो और अगर कोई समझौता है तो उसका पालन किया जाए। उन्होंने कहा कि दोनों पक्ष विवाद के समाधान के लिए बातचीत कर रहे हैं। विदेश मंत्री ने कहा, '' ऐसा नहीं है कि संवाद टूट गया है। बात यह है कि चीन के साथ गलवान की घटना से पहले भी हम बात कर रहे थे और उनसे कह रहे थे कि हम आपके सैनिकों की गतिविधियों को देख रहे हैं जो हमारे विचार से उल्लंघनकारी हैं।गलवान की घटना के बाद की सुबह मैंने अपने चीनी समकक्ष के साथ बातचीत की। उन्होंने कहा कि इसके बाद से दोनों पक्ष कूटनीतिक और सैन्य माध्यमों से बातचीत कर रहे हैं।श्श उन्होंने कहा, '' पीछे हटना एक व्यापक प्रक्रिया है। उन्होंने कहा कि इसकी बारीकियों पर इससे जुड़े लोग काम कर रहे हैं। विदेश मंत्री ने कहा कि भारत के चीन के अलावा सभी प्रमुख देशों एवं महत्वपूर्ण समूहों के साथ संबंध आगे की ओर बढ़ रहे हैं। यह पूछे जाने पर ऐसा क्यों, जयशंकर ने कहा, '' इसका जवाब केवल चीन दे सकता है। क्योंकि चीन ने कुछ कारणों से वर्ष 2020 में समझौते को तोड़ने और सैनिकों को सीमावर्ती क्षेत्रों में आगे बढ़ाने का मार्ग चुना। विदेश मंत्री ने कहा, '' यह उनको पूरी तरह से स्पष्ट कर दिया गया है कि जब तक सीमावर्ती क्षेत्रों में अमन, शांति स्थापित नहीं होगी, हमारे संबंध आगे नहीं बढ़ सकते। यही बाधा है जो हमें रोक रही है।

## मणिपुर- मानवाधिकार आयोग ने सरकार से इंटरनेट सेवाएं की बहाली करने का अनुरोध किया

**इम्फाल।** मणिपुर मानवाधिकार आयोग (एमएचआरसी) ने राज्य सरकार से इंटरनेट सेवाओं की बहाली पर विचार करने का अनुरोध किया है। राज्य में जातीय हिंसा भड़कने के बाद 3 मई से इंटरनेट सेवाएं निलंबित हैं। आयोग के सूत्रों ने गुरुवार को यह जानकारी दी। एमएचआरसी के अध्यक्ष न्यायमूर्ति उत्पलेंदु विकास साहा और सदस्य के.के. सिंह ने बुधवार को एक आदेश में आयुक्त (गश्ह) से राज्य में इंटरनेट सेवाओं की बहाली पर विचार करने को कहा ताकि नागरिकों को राज्य की सुरक्षा और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार को संतुलित करने के लिए लाभ प्रदान किया जा सके। अधिकार पैनल ने पिछले महीने मणिपुर के चुराचांदपुर जिले में इंटरनेट सेवाओं के निलंबन पर मिजोरम आइजोल निवासी कामिंगथांग हंगशिंगन की शिकायत के बाद यह आदेश जारी किया। शिकायत में इसे मानवाधिकारों का उल्लंघन बताया गया है। एमएचआरसी ने अपने आदेश में कहा हमारा विचार है कि इंटरनेट आधुनिक जीवन में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, विशेष रूप से तब जब देश की युवा पीढ़ी इंटरनेट के माध्यम से घर से काम कर रही है और ऑनलाइन माध्यम से परीक्षा देने वाले छात्रों को इसके गंभीर प्रभाव का सामना करना पड़ सकता है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि भारत के संविधान का अनुच्छेद 19 (1)(ए) नागरिकों को कुछ अधिकार देता है, लेकिन उक्त अधिकार अनुच्छेद 19 (2) के अधीन है जो कुछ प्रतिबंध लगाता है। आदेश में कहा गया है, हमारी ओर से प्राधिकरण से यह पूछना उचित होगा कि क्या मणिपुर राज्य में राज्य की सुरक्षा और छात्र और बुजुर्ग लोगों सहित नागरिकों लोगों के हित के बीच संतुलन बनाए रखते हुए इंटरनेट को बहाल किया जा सकता है। हिंसा की लगातार छिटपुट घटनाओं के बीच, मणिपुर सरकार ने 5 जून को इंटरनेट सेवाओं के निलंबन को सातवीं बार 10 जून तक बढ़ा दिया, ताकि अफवाहों और वीडियो, फोटो और संदेशों को फैलने से रोका जा सके, जो राज्य में कानून–व्यवस्था की स्थिति को प्रभावित कर सकते हैं। गृह आयुक्त एच. ज्ञान प्रकाश ने इंटरनेट सेवाओं के निलंबन की अवधि बढ़ाने की ताजा अधिसूचना में कहा कि मणिपुर के पुलिस महानिदेशक ने बताया कि अभी भी घरों और परिसरों में आगजनी जैसी घटनाओं की खबरें आ रही हैं। ऐसी आशंका है कि कुछ असामाजिक तत्व छवियों, अभद्र भाषा और जनता के जुनून को भड़काने वाले अभद्र वीडियो संदेशों के प्रसारण के लिए बड़े पैमाने पर सोशल मीडिया का उपयोग कर सकते हैं, जिसके राज्य में कानून और व्यवस्था की स्थिति के लिए गंभीर परिणाम हो सकते हैं। मेइती समुदाय को अनुसूचित जनजाति श्रेणी में शामिल करने की मांग का विरोध करने के लिए ऑल ट्राइबल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ मणिपुर द्वारा आहूत श्आदिवासी एकजुटता मार्च के दौरान और उसके बाद मणिपुर के 16 में से 11 जिलों में 3 मई को व्यापक हिंसा भड़क उठी थी। मणिपुर सरकार ने स्थिति को नियंत्रित करने के लिए इंटरनेट पर रोक लगा दी।

## केजरीवाल के भाषण के दौरान लगे मोदी-मोदी के नारे, दिल्ली के सीएम ने शानदार जवाब से कराया चुप

**नई दिल्ली।** दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने आज उपराज्यपाल वीके सक्सेना के साथ मिलकर गुरू गोविंद सिंह इंद्रप्रस्थ यूनिवर्सिटी कैंपस का उद्घाटन किया। उद्घाटन के बाद जैसे ही सीएम केजरीवाल ने अपना संबोधन शुरू किया तो वहां मौजूद कुछ लोगों ने हुडदंग मचाना शुरू कर दिया और मोदी मोदी के नारे लगाए। नारे लगते देख केजरीवाल ने अपना संबोधन रोक लिया और अपील की नारे बाद में लगा लेना। सभी दिल्लीवासियों को बधाई। गुरू गोबिन्द सिंह इंद्रप्रस्थ यूनिवर्सिटी के ईस्ट दिल्ली कैम्पस की आज से शुरुआत हो गई है। आईपी यूनिवर्सिटी का द्वारका के बाद ये दूसरा शानदार कैम्पस है। इसके बाद दिल्ली के सीएम ने संबोधन को बाधित करने वालों पर कटाक्ष करते हुए कहा कि अगर इस तरह के नारों से शिक्षा व्यवस्था में सुधार लाया जा सकता है तो पिछले 70 साल में ऐसा हो चुका होता। केजरीवाल दिल्ली सरकार के स्कूली शिक्षा मॉडल के बारे में बोल रहे थे, जब दर्शकों के एक वर्ग ने मोदी, मोदी के नारे लगाने शुरू कर दिए। उन्होंने कहा, ष्कृपया मुझे पांच मिनट बोलने दें। मैं इस पार्टी और दूसरी पार्टी के लोगों से आग्रह करता हूं कि मुझे बोलने दें। उन्होंने कहा, मुझे पता है कि आपको मेरे विचार और विचार पसंद नहीं आएंगे। आप टिप्पणी कर सकते हैं, लेकिन यह सही नहीं है। इस लोकतंत्र में सभी को बोलने का अधिकार है। आम आदमी पार्टी (आप) ने आरोप लगाया कि भाजपा कार्यकर्ताओं ने कार्यक्रम के दौरान हंगामा किया, लेकिन केजरीवाल ने अपने शानदार जवाब से उन्हें चुप करा दिया। जब उद्घाटन कार्यक्रम चल रहा था, तब परिसर के बाहर भी आप और भाजपा कार्यकर्ताओं के बीच नारेबाजी हो रही थी। गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय का पूर्वी दिल्ली परिसर आप के नेतृत्व वाली शहर की सरकार और लेफ्टिनेंट गवर्नर वी के सक्सेना के बीच ताजा मुद्दा बन गया है, दोनों पक्षों ने दावा किया है कि वे नवनिर्मित परिसर का उद्घाटन करेंगे।

# सम्पादकीय

## लोकतंत्र की साख व धाक

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अमेरिका यात्रा से ठीक पहले व्हाइट हाउस के एक वरिष्ठ अधिकारी की वह टिप्पणी गौर करने लायक है, जिसमें भारत को एक जीवंत लोकतंत्र बताया गया था। इतना ही नहीं, राष्ट्रपति भवन के इस अधिकारी जॉन किर्बी ने यहां तक कहा कि जिसको भारतीय लोकतंत्र की साख पर विश्वास न हो वह दिल्ली घूमकर कथन की प्रमाणिकता जान ले। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि कारोबार को अपनी तमाम नीतियों के केंद्र में रखने वाले अमेरिका के हर बयान के गहरे निहितार्थ होते हैं। लोकतंत्र–लोकतंत्र के खेल के जरिये दुनिया की तमाम सरकारों को बनाने और बिगाड़ने के उपक्रम में वह दशकों तक एक पक्ष रहा है। अमेरिका के बारे में अकसर कहा भी जाता है कि अमेरिका की सारी नीतियां अमेरिका से शुरू होकर अमेरिका पर ही खत्म हो जाती हैं। बहुत ज्यादा समय नहीं हुआ जब अमेरिकी विदेश मंत्रालय की धार्मिक स्वतंत्रता रिपोर्ट में भारत में अल्पसंख्यकों की दशा को लेकर सवाल खड़े किये गये थे। अमेरिका की कई अन्य संस्थाएं भी गाहे–बगाहे ऐसे सवाल खड़ी करती रही हैं। जाहिर है अमेरिका चाहता है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अमेरिका यात्रा से पहले माहौल बनाया जाये ताकि बड़े रक्षा सौदों को अंतिम रूप देने में कोई पुरानी कसक बाधक न बने। वैसे भारत को लोकतंत्र की जीवंतता को लेकर किसी अमेरिकी सर्टीफिकेट की आवश्यकता नहीं है। आजादी का अमृतकाल मनाते देश में आजादी के बाद भले ही एक दल या कई दलों की सरकारें बनी हों, वामपंथ या दक्षिणपंथ के रुझान की सरकारें बनी हों, हर बार सत्ता का हस्तांतरण शांतिपूर्वक ही हुआ है। आज भी स्वतंत्रता सेनानियों द्वारा बनाया गया संविधान हमारा मार्गदर्शक है। दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र अपनी जीवंतता से पूरी दुनिया के लोकतांत्रिक देशों का मार्गदर्शन कर रहा है। निस्संदेह, राजनीतिक विद्रूपताओं व जीवन मूल्यों की गिरावट से कुछ विसंगतियां सामने आई हैं, लेकिन सदियों तक साम्राज्यवादी ताकतों के दोहन से उपजी अथाह गरीबी व एक बड़ी आबादी भी इसके मूल में रही हैं। यह एक संयोग ही है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अमेरिका यात्रा ऐसे समय पर हो रही जब कुछ दिन पहले तक विपक्षी कांग्रेसी नेता राहुल गांधी मोदी सरकार की रीति–नीतियों को लेकर अमेरिका में तमाम सवाल खड़े करते रहे हैं। अच्छा तो यह माना जाता है कि देश में सत्तापक्ष से विपक्ष के कितने भी मतभेद हों, विदेश की धरती पर भारतीय लोकतंत्र की छवि को लेकर कोई आंच नहीं आनी चाहिए। बहरहाल, जीवंत भारतीय लोकतंत्र की खूबियां दुनिया को खुद–ब–खुद आकर्षित करती रही हैं। जिसके मूल में भारतीय लोकतंत्र की मजबूत साख ही है। वैसे अमेरिका के मौजूदा रुख में आये बदलाव के मूल में तेजी से बदलते वैश्विक सामरिक समीकरण भी हैं। जिसके संतुलन के लिये अमेरिका को भारत जैसे बड़े देश के साथ की जरूरत है। खासकर साम्राज्यवादी चीन की विस्तारवादी नीतियों पर अंकुश लगाने के लिये। पिछले कुछ वर्षों में चीन एलएसी पर भारत के लिये जैसी चुनौतियां पैदा करता रहा है उसका मुकाबला भी अमेरिका जैसी विश्व शक्ति के सहयोग से संभव है। बहरहाल, भारत के लिये यह गौरव की बात है कि 21 से 24 जून तक चलने वाली प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अमेरिकी यात्रा रक्षा सौदों के अलावा भी कई मायनों में महत्वपूर्ण है। अमेरिकी सांसदों के बुलावे पर अमेरिकी कांग्रेस के संयुक्त सत्र को भी वे संबोधित करेंगे। निस्संदेह, मौजूदा हालात में अमेरिका चीन के मुकाबले के लिये भारत को एक रणनीतिक साझेदार के रूप में देखता है। हाल ही में भारत व अमेरिका ने रक्षा औद्योगिक सहयोग के लिये एक रोडमैप को अंतिम रूप दिया है। इससे जहां अमेरिका के सामरिक व कारोबारी हित पूरे होते हैं, वहीं आधुनिक व उन्नत तकनीक के साथ भारत के आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्यों को बल मिलता है। हाल के वर्षों में भी दोनों देशों के बीच कई महत्वपूर्ण करार हुए हैं, जिसमें आपूर्ति श्रृंखला को स्थिरता देने, रक्षा खरीद को सुगम बनाने तथा एक–दूसरे के ठिकानों के इस्तेमाल पर सहमति बनी है। निस्संदेह हिंद–प्रशांत क्षेत्र में चीनी आक्रामकता के चलते दोनों देशों को रक्षा संबंधों को मजबूत बनाना समय की जरूरत है।

## आंदोलन मैनेज हो गया?

इस बात को नहीं भुलाया जा सकता कि आरोपी को तुरंत गिरफ्तार ना कर पुलिस ने डर और आशंकाओं का वह माहौल बनने दिया, जिससे उत्पीड़ित पहलवानों का हौसला टूटा। इस रूप में न्याय की भावना के साथ एक तरह का विश्वासघात हुआ है। यौन उत्पीडन के खिलाफ आंदोलन पर उतरे पहलवान सार्वजनिक रूप से भले यह कह रहे हों कि उनका संघर्ष जारी रहेगा, लेकिन जिस रूप में लगभग डेढ़ महीने तक यह आंदोलन चला, उसके आगे भी जारी रहने की संभावना न्यूनतम है। इस बात के साफ संकेत हैं कि गृह मंत्री अमित शाह इस आंदोलन को मैनेज करने में सफल हो गए हैं। पहलवानों के साथ उनकी सहमति बन जाने के ठोस संकेत हैं। बेशक, (कथित तौर पर) उत्पीडित महिला पहलवान हुई थीं, इसलिए पहलवानों को यह अधिकार है कि वे अपना हित देखें और किसी समाधान पर पहुंचने के प्रयास में शामिल हों। लेकिन गौरतलब यह है कि इस मामले में एफआईआर दर्ज हो चुकी है। उसमें एक नाबालिग पहलवान के यौन उत्पीडन का मामला भी है, जो पॉक्सो कानून के तहत आता है। इसी एफआईआर को वापस लिए जाने या इसे बदले जाने की बात मीडिया में आई है। बहरहाल, विधि विशेषज्ञों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि भारतीय न्याय व्यवस्था के तहत जघन्य अपराध एक बार दर्ज हो जाने के बाद उत्पीडित व्यक्ति भी उसे वापस नहीं ले सकता, लेकिन यह राज्य के खिलाफ अपराध का मामला बन जाता है।

# राजनाथ सिंह और जेट इंजन

ब्रिटेन में भव्य आयोजन में किंग चार्ल्स तृतीय और क्वीन कैमिला की ताजपोशी सम्पन्न हुई। दुनिया भर से आए मेहमानों के अलावा टीवी और इंटरनेट के जरिए करोड़ों लोग इस ऐतिहासिक कार्यक्रम का गवाह बने। महारानी एलिजाबेथ के निधन के बाद चार्ल्स को औपचारिक रूप से सम्राट घोषित किया गया था। उनकी ताजपोशी ऐसे समय में हुई है जब ब्रिटेन के प्रधानमंत्री भारतीय मूल के ऋषि सुनक हैं। ब्रिटेन हमेशा से ही ताजपोशी समारोहों को दुनिया के सामने अपने शाही ठाठ–बाट से पेश करने के लिए लोकप्रिय रहा है, लेकिन यह समारोह सदियों पुरानी परम्पराओं में रचा–बसा एक बेहद धार्मिक आयोजन से भी जुड़ा हुआ है। ब्रिटेन में पिछला ताजपोशी समारोह 1953 में हुआ था, तब से लेकर आज तक ब्रिटेन और पूरी दुनिया में बहुत कुछ बदल चुका है। इसलिए नई पीढ़ी को इस समारोह के लिए जिज्ञासा जरूर थी। ब्रिटेन के ताजपोशी समारोह की संवैधानिक अहमियत कुछ नहीं है, बल्कि एक परम्परा है जब किंग और क्वीन सार्वजनिक रूप से कानून की मर्यादा बनाए रखने और दया के साथ इंसाफ करने का वादा करते हैं। आज के युग में जब राजशाही के प्रति लोगों की मानसिकता बदल चुकी है और कई देशों में राजशाही शासन को उखाड़ने के लिए क्रांतियां हो चुकी हैं, लेकिन आज भी दुनिया के 43 देशों में राजशाही का शासन चलता है। इसका प्रत्यक्ष उदाहरण ब्रिटेन है। एक समय लगभग पूरी दुनिया पर कब्जा रखने वाला देश आज भी उसी शिद्दत से अपने राजा का सम्मान करता है। इसके पीछे वहां का संविधान और उसके प्रति लोगों का विश्वास काम करता है जिसमें राजा और जनता के द्वारा चुनी हुई सरकार दोनों आपस में संवैधानिक शक्तियों का बंटवारा करते हैं। राजा सरकार के काम में दखल नहीं दे सकता है, पर उसके दस्तखत के बिना किसी कानून को लागू भी नहीं किया जा सकता। इस व्यवस्था को संवैधानिक राजशाही कहा जाता है। अब जबकि किंग चार्ल्स की ताजपोशी हो चुकी है। वह कनाडा, आस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड सहित 15 विभिन्न देशों में राज्य के प्रमुख हैं। ब्रिटेन दूसरे देशों के लिए एक आदर्श है जहां लोकतंत्र को कड़ी अग्नि परीक्षा में गुजरना पड़ा है। तब जाकर राजा और सरकार में शक्तियों का बंटवारा हुआ है। दुनिया के कई देशों में आज भी पूरी शक्तियां राजा के पास ही हैं और उनके द्वारा लिया गया फैसला ही अंतिम होता है। इसमें सऊदी अरब, वेटिकन सिटी और अन्य कई देश आते हैं। ब्रिटेन में राजा केवल औपचारिक क्षमता में कार्य करता है ध्जिसमें लोकतांत्रिक रूप से चुनी गई सरकार को राष्ट्र पर शासन करने की अनुमति मिलती है। ब्रिटेन में यह व्यवस्था सफलतापूर्वक काम कर रही है। राजशाही व्यवस्था का सबसे बड़ा घातक पहलू यह है कि उनका शासन निरंकुश हो जाता है। समय–समय पर लोगों ने निरंकुश शासन के खिलाफ आंदोलन चलाए हैं और कई देशों में लोकतंत्र की स्थापना भी हुई है।

ब्रिटेन के लोगों का एक वर्ग राजशाही को महज एक परम्परा ही मानते हैं। 2021 में कराए गए एक सर्वेक्षण में 63 प्रतिशत लोगों का मानना था कि भविष्य में भी राजशाही बनीं रहे जबकि कुछ लोगों का मानना था कि उन्हें अब राजशाही ध्की जरूरत नहीं। राजशाही उपनिवेशवाद का अवशेष है। अब समय बहुत बदल गया है। कुछ लोगों का कहना था कि ब्रिटेन के करदाताओं का पैसा शाही परिवार पर खर्च हो रहा है जबकि इस की जरूरत नहीं है। करदाताओं के पैसे का इस्तेमाल राजघराने से जुड़े दूर के लोगों के लिए भी किया जाता है क्योंकि उनकी उपाधि से जुड़े कई काम होते हैं। उनकी सुरक्षा पर भी खर्च किया जाता है लेकिन वे देश के लिए कुछ नहीं करते। कुछ लोगों का मानना है कि अगर ताजपोशी समारोह न भी होता तो भी चार्ल्स उनके किंग ही रहते। लेकिन बुजुर्ग लोगों का मानना है कि राजशाही के कई संवैधानिक कर्त्तव्य हैं। राजघराना सार्वजनिक व धर्मार्थ सेवाओं के ध्जरिए राष्ट्र एकता को मजबूत करने और स्थिरता बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, जबकि युवा वर्ग राजशाही के समर्थन में दिखाई नहीं देता। राजघराने के पैलेस की ऊंची दीवारों के भीतर रंगभेद या नस्लभेद को लेकर भी सवाल खड़े हुए थे जब प्रिंस हैरी और उनकी अभिनेत्री पत्नी मेगन मार्कल ने राजघराने की सारी सुख सुविधाएं छोड़ कर कैलिफोर्निया में रहने को प्राथमिकता दी थी। राजमहल के भीतर के घटनाक्रम पर मेगन ने कई सवाल उठाते हुए स्वतंत्र जीवन बिताने को प्राथमिकता दी थी।

अपने पिता की ताजपोशी समारोह में केवल अकेले हैरी ही आए। ब्रिटेन के युवाओं ने ताजपोशी समारोह को अमीरों का शौक और पैसे की बर्बादी ही बताया है। आज की अनिश्चितताओं से भरी दुनिया में जब शासक वर्ग कानूनों की धज्जियां उड़ाते नजर आ रहे हैं। ऐसी स्थिति में चार्ल्स की ताजपोशी संवैधानिक राजतंत्र को मानने वाले एक राजा को राहत भरी अनुभूति कराता है। **–आदित्य नारायण**

# चीन की दादागिरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी

ड्रैगन की दादागिरी अब बढ़ते जा रही है हिंद महासागर में उसने 2 युद्धपोत उतार दिए हैं। इसी तरह लद्दाख और भारतीय सीमा के आसपास कई सामरिक गांव भी बसा लिए हैं चीन की सैन्य हरकतें बहुत तेजी से आगे बढ़ने लगी। चीन की इन हरकतों से भारत तो चिंतित है ही इसके अलावा अमेरिका, जर्मनी,कनाडा, फ्रांस ,जापान तथा अन्य देश भी काफी परेशान है इन परिस्थितियों को देखते हुए सिंगापुर में शंगरी डायलॉग में चीन,अमेरिका, कनाडा ,ऑस्ट्रेलिया और जर्मनी के बीच हिन्द प्रशांत क्षेत्र को लेकर काफी तीखी झड़प सामने आई है। अमेरिका के नेतृत्व में फ्रांस ऑस्ट्रेलिया कनाडा ब्रिटेन और अन्य देश के साथ पश्चिमी देशों ने साफ–साफ बयान दिया है कि वे सब भारत के साथ मिलकर हिंद महासागर में चीन की दादागिरी किसी भी तरह से बर्दाश्त नहीं करेंगे। दूसरी तरफ इसी परिचर्चा में चीन के रक्षा मंत्री ली सॉन्ग फू ने खुलेआम चेतावनी दे दी है कि अमेरिका और चीन के बीच टकराव दुनिया भर में ऐसी तबाही लेकर आएगा जो अभूतपूर्व होगी और इसे विश्व बर्दाश्त नहीं कर सकेगा। सिंगापुर में एशिया सुरक्षा सम्मेलन के इस परिचर्चा में चीन के रक्षा मंत्री ने कहा चीन और अमेरिका का साथ आगे बढ़े इसके लिए दुनिया को चिंता करनी चाहिए और इसकी

काफी संभावना भी है पर अमेरिका की पश्चिमी देशों के साथ चीन के खिलाफ किसी भी तरह की दादागिरी को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। सम्मेलन में भाग ले रहे अमेरिका के रक्षा मंत्री लॉयड आस्टिन ने चीन के रक्षा मंत्री की चेतावनी को नजरअंदाज करते हुए कहा की चीन की धमकी चमकी को अमेरिका और सहयोगी देश मूकदर्शक बने नहीं रह सकते इसका मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा। चीन के रक्षा मंत्री जो सैन्य वर्दी में सम्मेलन में शामिल हुए थे ने स्पष्ट रूप से चेताया चीन और अमेरिका के बीच एक टकराव दुनिया के लिए रसायनिक आपदा हो सकती है। कनाडा की रक्षा मंत्री अनीता आनंद ने स्पष्ट कहा है ताइवान समेत खाड़ी देशों जहां भी अंतरराष्ट्रीय कानून अनुमति देता है वहां हमारे युद्धपोत गस्त करते रहेंगे और संबंधित देशों को जिम्मेदार आचरण करना होगा। अमेरिकी रक्षा मंत्री ऑस्टिन ने कहा चीन को इस तरह की धमकी चमकी वाली भाषा का इस्तेमाल ना करते हैं परस्पर सहयोग की भावना रखनी चाहिए, चीन शीत युद्ध की मानसिकता वैश्विक सुरक्षा जोखिमों को खतरनाक तरीके से आगे बढ़ा रही है जो वैश्विक शांति के लिए खतरा बन सकती है। दूसरी तरफ जर्मनी के रक्षा मंत्री बोरिस पिस्टोरियस ने स्पष्ट शब्दों में कहा है की अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था और प्रमुख समुद्री मार्गों की सुरक्षा के लिए सभी पश्चिमी देशों को चीन के खिलाफ एकजुट होकर खड़े रहने की आवश्यकता है उन्होंने आगे कहा यह तो तय है की सभी पश्चिमी देश 2024 में हिंद महासागर में युद्धपोत आवश्यक रूप से हर हाल में भेजेंगे ही और यह विश्व शांति के लिए अनिवार्य है। उल्लेखनीय है कि हिंद महासागर तथा चीन सागर के आसपास चीन युद्ध पोतों की आवाजाही बहुत बढ़ गई है। अमेरिका तथा चीन ताइवान में चीन की बढ़ती हरकतों को लेकर आमने–सामने टकराव वाली स्थिति में आ गए हैं। अमेरिका पूरी तरह ताइवान की रक्षा करने के लिए प्रतिबद्ध है और वह चीन का हस्तक्षेप बर्दाश्त नहीं करेगा। चीन के रक्षा मंत्री ने कहा है कि अमेरिका का ताइवान में अनावश्यक हस्तक्षेप चीन के अंदरूनी मामले में हस्तक्षेप माना जा रहा है ऐसे में चीन किसी की तरह अमेरिकी हस्तक्षेप को बर्दाश्त न कर मुंह तोड़ जवाब देगा। यह अलग मुद्दा है कि चीन के साथ रूस खुलकर साथ देने पर आमादा है और रूस यूक्रेन युद्ध में चीन ने खुलकर रूस का साथ देकर अपनी नीति स्पष्ट कर दी है। दूसरी तरफ यूक्रेन का समर्थन नाटो तथा अमेरिका देश धन तथा सुरक्षा उपकरणों से खुलकर कर रहे हैं। इन परिस्थितियों में यदि बाहुबली देशों के मध्य टकराव या युद्ध होता है तो विश्व में खलबली मचने की पूरी संभावना है इसके अलावा वैश्विक शांति को भी बड़ा खतरा हो सकता है। भारत अपनी शांति नीति को लेकर आगे बढ़ने के लिए प्रतिबद्ध है ऐसे में भारत के सामने भी हिंद महासागर में हो रही हरकतों चिंता का कारण पैदा हो सकता है। **–संजीव ठाकुर**

# आज का राशिफल

**मेष :–** आज का दिन शुभ और फलदायी होगा। महत्त्वपूर्ण निर्णय न लेने की सलाह है। यात्रा के योग हैं। लेखनकार्य के लिए अच्छा दिन है। महिला के साथ विवाद में न उतरें।

**वृषभ :–** मन को स्थिर रखने की सलाह गणेशजी देते हैं, क्योंकि अर्निणय की मनोदशा से अवसर गवां सकते हैं। प्रवास का आयोजन टाल दें। नए कार्य प्रारंभ न करें।

**मिथुन :–** लक्ष्मीजी की कृपा से दिन लाभदायी होगा। उत्तम भोजन, सुंदर वस्त्र व अपनों के साथ से दिन आनंददायी होगा। धन अधिक व्यय न करें।

**कर्क :–** कोई भी महत्त्वपूर्ण निर्णय न लें। संबंधियों से मनमुटाव हो सकता है। वाणी पर संयम रखें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। मानहानि एवं धनहानि से बचें।

**सिंह :–** आज का दिन लाभदायी है। मित्रों से लाभ और पर्यटन की संभावना है। हाथ आया अवसर जा सकता है, इसलिए निर्णय टाल दें। व्यापार एवं आर्थिक लाभ के योग हैं।

**कन्या :–** आज दिन शुभ है। नए कार्य संपन्न होंगे। व्यापारी व नौकरीपेशा लोगों के लिए समय अच्छा है। व्यापार में लाभ व नौकरी में पदोन्नति के योग हैं। पिता से लाभ होगा।

**तुला :–** व्यावसाय में लाभ की संभावना है ऐसा गणेशजी कहते हैं। नौकरी व व्यापार में सहकर्मियों से सहयोग नहीं मिलेगा। लंबी यात्रा का आयोजन हो सकता है। अस्वस्थ रहेंगे।

**वृश्चिक :–** आज शांति व सावधानीपूर्वक रूप से रहने की गणेशजी की सलाह है। नए कार्यों में असफलता के योग हैं। क्रोध पर संयम रखें। सरकार विरोधी प्रवृत्तियों से दूर रहें।

**धनु :–** आज का दिन आनंदपूर्वक बीतेगा। सहवास का आनंद मिलेगा। प्रवास, पर्यटन होगा। लेखनकार्य के दिन अनुकूल है। साझेदारी से लाभ होगा।

**मकर :–** व्यापार में विकास के लिए आज का दिन लाभकारी रहेगा। धन के लेनदेन में सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। घर में सुख–शांति का वातावरण बना रहेगा।

**कुंभ :–** आप की वाणी व विचारों में शीघ्र परिवर्तन होगा। बौद्धिक चर्चा में शामिल होंगे। आकस्मिक खर्च की आशंका है। पाचन न होने जैसी बीमारियों से परेशान होंगे।

**मीन :–** गणेशजी कहते हैं कि आप में उत्साह व स्फूर्ति की कमी होगी। परिजनों के साथ विवाद न करें। अस्वस्थ महसूस करेंगे। नौकरी में चिंता रहेगी। धन व कीर्ति की हानि न हो ध्यान रखें।

# हादसा नहीं काण्ड है बालासोर की मौतें

बालासोर रेल दुर्घटना हादसा नहीं है काण्ड है – एक ऐसा काण्ड जो अनेक वर्षों से देश के इस सबसे बड़े सार्वजनिक परिवहन तंत्र में लगातार घट रहा है और जिसकी वजह से हर महीने 34 छोटी बड़ी रेल दुर्घटनाएं हो रही हैं। सिर्फ हो नहीं रही हैं बल्कि हर वर्ष इनकी संख्या में भी लगातार वशद्धि हो रही है। इनका कारण मानवीय चूकें नहीं हैंय इनके कारण संस्थागत हैं, इनके कारण विभागीय हैं। 2 जून की शाम 7 बजे ओड़िसा के बालासोर रेलवे स्टेशन के करीब तीन रेलगाड़ियों के आपस में भिड़ जाने के हादसे में इन पंक्तियों के लिखे जाने तक 290 मौतें गिनी जा चुकी हैं. करीब 1000 घायल मिल चुके हैं, इनमे से कोई 100 अभी भी गंभीर अवस्था में हैं और अस्पताल में जेरे इलाज हैं। मश्तकों की संख्या और बढ़ने की अनिष्टकारी आशंकाएं बनी हुई है। रेल दुर्घटनाओं का देश माने जाने वाले भारत में मौतों के हिसाब से भी यह इस सदी की सबसे भयानक दुर्घटना है – कोई 42 साल पहले बिहार में बागमती नदी का पुल टूट जाने की वजह से तकरीबन पूरी रेलगाड़ी के नदी में समा जाने से हुई 750 मौतों वाले हादसे के बाद यह दूसरी सबसे बड़ी त्रासदी है। ऐसे हादसों और उनमे हुई इतनी विराट जनहानि के बाद कुछ भी न सीखने वाली देश की सत्ता–बिरादरी ऐसे मौकों पर किये जाने वाले अभिनय के मैनरिज्म, खोखले शब्दों वाली संवेदना के बयान झाड़ने और चेहरे पर नकली उदासी ओढ़ कर बाईट्स देने में पारंगत हो चुकी है। मौजूदा सत्तासीन कुनबा ध्यान बंटाने और असली कारण से ध्यान हटाने के मामले में कुछ ज्यादा ही उस्ताद है। तकनीकी और रेल परिवहन विशेषज्ञों से जांच कराने की बजाय हादसे की जांच सीबीआई को सौंपकर रही सही कसर रेलवे बोर्ड ने पूरी कर दी है। कुछ महीने या कुछ एक वर्ष तक जांच की यह नौटंकी चलेगी। इस बीच कोई और हादसा होगा और, हुक्मरानों को पक्का विश्वास है कि तब तक, मश्तकों के परिजनों के अलावा बाकी लोग इसे भूल जायेंगे।

बालासोर रेल दुर्घटना हादसा नहीं है काण्ड है – एक ऐसा काण्ड जो अनेक वर्षों से देश के इस सबसे बड़े सार्वजनिक परिवहन तंत्र में लगातार घट रहा है और जिसकी वजह से हर महीने 34 छोटी बड़ी रेल दुर्घटनाएं हो रही हैं। सिर्फ हो नहीं रही हैं बल्कि हर वर्ष इनकी संख्या में भी लगातार वशद्धि हो रही है। इनका कारण मानवीय चूकें नहीं हैंय इनके कारण संस्थागत हैं, इनके कारण विभागीय हैं, इनकी वजहें लापरवाहियों में नहीं जानबूझकर लागू की जा रही उन नीतियों में हैं जिन्हें लगातार जारी रखा गया, जिन्हें 2014 के बाद बदतर से बदतरीन बनाया गया। इनकी पहली और सबसे बड़ी वजह है रेलवे ट्रैक– यानि वे पटरियां जिन पर चलना रेलगाड़ियों की मजबूरी है। पटरियों–रेलवे ट्रैक –की खराब हालत के बारे में रेल कर्मचारी और उनके संगठन बीसियों साल से ध्यान दिलाते रहे हैं, सरकार के साथ होने वाली अपनी हर त्रैमासिक बैठक में इसे उठाते रहे हैं। मगर पैसा बचाने और निजीकरण करने की जिद वाली सरकारों ने कभी इसे प्राथमिकता पर नहीं लिया। खुद महालेखाकार – सीएजी – की 2022 की रिपोर्ट ने इसे दर्ज किया और 2017 से 2021 के बीच हुई कुल 2017 रेल दुर्घटनाओं की समीक्षा कर बताया कि इनमे से 70 प्रतिशत दुर्घटनाओं का कारण गाड़ी का पटरी से उतरना रहा। इनमें यदि इसके परिणाम स्वरूप हुई बालासोर जैसी भिड़ंतों को भी जोड़ लिए जाये तो यह प्रतिशत 80 तक जा पहुंचता है। मतलब दुर्घटनाओं की सबसे प्रमुख वजह है रेलवे ट्रैक का खराब होना। रेलवे ट्रैक का रखरखाव न किये जाने, उन्हें समय पर न बदले जाने का साफ मतलब है दुर्घटनाओं को न्योता देना। हाल के दिनों में तो जैसे रेल मंत्रालय और केंद्र सरकार ने रेल की पटरियों की बदहाली बढ़ाने का बीड़ा ही उठा लिया है। दूबरे के दो आषाढ़ की तरह उसने पहला काम तो बड़े पैमाने पर रेल पटरियों की देखरेख करने वाले कर्मचारियों की भर्ती न करने का किया, इसका नतीजा यह निकला कि पांव पांव जाकर ट्रैक की एक एक इंच की जांच करने वाले गैंगमेन्स की पोस्ट्स खाली पड़ी हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार केंद्र सरकार के विभागों में कुल स्वीकृत कोई 41 लाख पोस्ट्स में से 10 लाख खाली पड़ी हैं– इनमें से अकेले रेलवे के महकमे में खाली पड़ी पोस्ट्स साढ़े तीन लाख हैं। इनका विराट बहुमत ग्रुप सी और डी के कर्मचारियों का हैय ये वे ग्रुप्स हैं जिनके कर्मचारी सीधे जमीन से – यानि पटरी से – जुड़े कर्मचारी होते हैं। ध्यान रहे केन्द्र सरकार के विभागों में खाली पदों की यह तादाद उन पदों के अलावा है जिन्हें सरकार पहले ही समाप्त घोषित कर चुकी है। नवउदारीकरण के अभिशप्तकाल की शुरुआत के पहले केन्द्रीय कर्मचारियों की कुल संख्या 52 लाख हुआ करती थी। इस अनुपात में देखें तो रेलवे के खाली पदों की संख्या साढ़े तीन लाख नहीं सवा पांच लाख से भी ज्यादा होगी। इस लिहाज से रेल दुर्घटनाएं होती नहीं हैं, होने दी जाती हैं। इस तरह दूसरा बड़ा कारण सरकार के स्थापना व्यय–मतलब कर्मचारियों पर होने वाले खर्च–में कटौती के नाम पर स्टाफ को घटाना है। कटौती की बात यहीं तक नहीं रुकती और आगे जाती है। पिछले चार वर्षों में रेल पटरियों के बदलने और सुधारने के अत्यंत जरूरी काम के लिए सरकारी बजट आबंटन में लगातार कमी आई है। अकेले 2018–19 और 2019–20 के एक वर्ष में इसे 9607 करोड़ रुपयों से घटाकर इसे 7417 करोड़ कर दिया गया। बाद के दो वर्षों में इसे और घटा दिया गया। इतने पर भी सब्र नहीं हुआ–जितना मिला था उसे भी खर्च नहीं किया गया। खुद रेल मंत्रालय की रिपोर्ट मानती है कि हर वर्ष 4500 किलोमीटर पटरी बदले जाने की जरूरत होती है मगर लागत घटाने के जरिये पैसा बचाने के जूनून में रेलवे के सभी जोन ने पिछली 5 वर्षों में ट्रैक के रखरखाव और बदलाव के लिए मिले बजट का एक बड़ा हिस्सा वापस लौटा दिया। यह सिर्फ इच्छाशक्ति की कमी नहीं है– यह आपराधिक करतूत है और इसके लिए किसी सीबीआई जांच की जरूरत नहीं है– सिर्फ बजट अनुमानों और किये गए व्यय की बैलेंस शीट उठाकर अभियोगियों को नामजद किया जा सकता है। जब पटरियां बदले जाने के इस प्राथमिक काम के लिए 3.1 प्रतिशत वाले मामूली से आबंटन में बचत और किफायत दिखाने की होड़ लगी थी तब गैर प्राथमिकता के क्षेत्रों में खर्चा 25 फीसदी से ज्यादा की रफ्तार से बढ़ रहा था। जिन्होंने यह गैरजरूरी खर्चा किये जाने के आदेश दिए, उन्हें मंजूर किया, जिन्होंने इसे करवाया वे बालासोर सहित सारी दुर्घटनाओं के अपराधी हैंय इनकी शिनाख्त के लिए भी सीबीआई जांच की नहीं सही तरीके से ऑडिट की जरूरत है। शरीकेजुर्म तो वह फोटो जीवी भी हैं जिन्होंने गाड़ियों के आमने सामने आते ही तुरंत उनके रुक जाने वाली कवच सुरक्षा प्रणाली लाने की लफ्फाजी की थी और नतीजा बालासोर में एक नहीं तीन–तीन गाड़ियों के टकराने के रूप में सामने आया। मतलब यह कि अमेरिका, रूस और चीन के बाद दुनिया के सबसे बड़े रेलवे भारत में रनिंग ट्रैक 78607 किलोमीटर से बढ़ाकर 102381 किलोमीटर किया जा रहा था। हर रोज 7172 रेलवे स्टेशनों से उठकर, 12671 रेलगाड़ियों में बैठकर करीब ढाई करोड़ लोग यात्रा कर रहे थे और करोड़ों टन माल इधर से उधर हो रहा था – मगर पटरियां नहीं बदली जा रही थीं और कर्मचारी बढ़ाने की बजाय तेजी से घटाए जा रहे थे। अपनी विफलताओं पर पर्दा डालने के लिए तेज से तेज रफ्तार की ट्रेन्स और घटी यात्री सुविधाओं वाले दूकान की तरह चमकते दमकते रेलवे स्टेशनों चकाचौंध दिखाई जा रही थी। पिछले 5 वर्षों में ही 871 नई ट्रेन्स चलाई गई, अभी भी यही सिलसिला जारी है। निस्संदेह ट्रेनों की संख्या बढ़ाना चाहिये, रेल सुविधा देश के हर हिस्से तक पहुंचनी चाहिए। मगर इसके लिए हरी झंडी दिखाने का स्टेशन मास्टर और गार्ड वाला काम करते हुए खुद प्रधानमंत्री द्वारा फोटो खिंचवाने का मोह त्याग कर ढांचागत विकास पहले करवाया जाना चाहिए।

बालासोर हादसा नहीं है काण्ड है, जानलेवा घोटाला है। यह नवउदार नीतियों के साथ नत्थी अमानवीय विनाश–श्रृंखला में निहित मौतों का एक आंकड़ा है। **–बादल सरोज**

# न्यायालय परिसरों की बेहतर सुरक्षा सुनिश्चित कराया जाय - योगी आदित्यनाथ

**लखनऊ।** प्रदेश में सुदृढ़ कानून व्यवस्था के लिये संकल्पित उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने निर्देश दिये है कि न्यायालय परिसरों की और अधिक बेहतर सुरक्षा हेतु निर्गत निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित कराया जाय। उन्होंने निर्देश दिये है कि न्यायालय परिसरों की सुरक्षा हेतु यथाशीघ्र जिला न्यायाधीशों की अध्यक्षता में बार के सदस्यों के साथ बैठक आयोजित कराकर स्थानीय स्तर पर सुरक्षा हेतु आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करा ली जाय। न्यायालय परिसर मे किसी भी व्यक्ति को आग्नेय शस्त्र लेकर प्रवेश न किये जाने के आदेशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित कराया जाय। जनपद न्यायाधीशों से वार्ता व समन्वय कर अधीनस्थ न्यायालयों को ''द आर्म्स रूल 2016'' के नियम 46 के अन्तर्गत अग्न्यायुध मुक्त क्षेत्र घोषित किये जाने के सम्बन्ध में तत्काल आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करायी जाय। उच्च न्यायालय प्रयागराज एवं लखनऊ खण्ड पीठ में भी और अधिक आवश्यकतानुसार बेहतर सुरक्षा व्यवस्था हेतु रजिस्ट्रार जनरल के साथ बैठक आयोजित कर आवश्यक व्यवस्थाएं समय से सुनिश्चित करायी जाय। प्रदेश के प्रमुख सचिव गृह संजय प्रसाद आज योजना भवन के वीडियों कान्फ्रेसिंग कक्ष से पुलिस महानिदेशक विजय कुमार के साथ मंडल व जनपद स्तरीय प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों को न्यायालय परिसर की सुरक्षा एवं बेहतर कानून व्यवस्था हेतु दिये गये निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित कराने हेतु आवश्यक निर्देश दे रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रत्येक दशा में सुनिश्चित किया जाय कि भविष्य में किसी भी न्यायालय परिसर कोई भी अप्रिय घटना कतई घटित न होने पाये। उन्होंने कहा कि जिला न्यायालयों की सुरक्षा हेतु राज्य सरकार द्वारा एस0ओ0पी0 बनाई गई है। प्रदेश के जनपदीय न्यायालयों में 71 सुरक्षा प्रभारी निरीक्षक व उपनिरीक्षक, 22 निरीक्षक, 240 उपनिरीक्षक, 522 मुख्य आरक्षी और 1772 आरक्षी नियुक्त है। इसके अलावा क्यू0आर0टी0 भी लगायी गयी है जिनमें 60 उपनिरीक्षक, 112 मुख्य आरक्षी और 256 आरक्षी नियुक्त है। प्रमुख सचिव गृह ने यह निर्देश भी दिये है कि न्यायालय परिसर में सुरक्षा हेतु लगाये गये उपकरणों की क्रियाशीलता का नियमित रूप से जांच अवश्य करायी जाय। उन्होंने कहा कि जाचोपरान्त यदि कोई भी उपकरण खराब पाये जाने पर उसको तत्काल ठीकध्चेंज कराया जाय। उन्होंने यह भी निर्देश दिये कि बार के सदस्यों के साथ बेहतर सुरक्षा हेतु बैठक कर वादकारियों, वकीलों एवं आने जाने वाले व्यक्तियों की नियमित जांच करायी जाने की व्यवस्था भी सुचारू रूप से सुनिश्चित करायी जाय ताकि कोई भी संदिग्ध व्यक्ति कतई न्यायालय परिसर में प्रवेश न करने पाय। उन्होंने यह भी निर्देश दिये कि जनपद न्यायालय, जहां न्यायालय परिसर मे सीसीटीवी कैमरे अधिष्ठापित न हो वहां न्यायालय कक्ष के अतिरिक्त न्यायालय परिसर में भी सीसीटीवी कैमरे अधिष्ठापन प्राथमिकता से कराया जाय। उन्होंने यह निर्देश भी दिये कि न्यायालय परिसर में लगे उपकरणों का बेहतर उपयोग हेतु उपकरणों की नियमित चेकिंग के साथ–साथ प्रशिक्षित कर्मी तैनात किये जाय। पुलिस महानिदेशक विजय कुमार ने कहा कि सावन मेला, जगन्नाथ रथ यात्रा, मोर्हरम, बकरीद आदि पर्वो के दृष्टिगत रखते हुए स्थानीय स्तर पर आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित कराने हेतु गठित शांति कमेटियों के साथ बैठके समय से अवश्य आयोजित करा ली जाय। उन्होंने कहा कि न तो सार्वजनिक स्थानों पर कुर्बानी देने की कतई अनुमति न दी जाय और न ही परम्परा से हट कर किसी भी प्रकार के जानवर की कुर्बानी दी जाय। विशेष पुलिस महानिदेशक, कानून एवं व्यवस्था प्रशान्त कुमार ने कहा कि दर्ज एफ0आई0आर0 की विवेचना निष्पक्ष रूप से यथाशीघ्र कराकर दोषी व्यक्तियों को नियमानुसार दण्डित कराने हेतु न्यायालय से निरन्तर प्रभावी पैरवी सुनिश्चित करायी जाय। उन्होंने यह भी निर्देश दिये कि आगाती पर्वो को दृष्टिगत रखते हुए आम जनता की सुविधा को ध्यान में रखते हुए आवश्यक्तानुसार रूट डायवर्जन का प्लान समय से तैयार करा लिया जाय ताकि किसी भी नागरिक को आवागमन में असुविधा न हो। वीडियों कान्फ्रेसिंग में सचिव गृह ए0वी0 राजामौलि व बी0डी0 पालसन सहित पुलिस विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित रहे।

# अयोध्या के सौन्दर्यीकरण को लेकर बैठक करते मण्डलायुक्त गौरव दयाल

## भगवान श्रीराम के जीवन चरित्र पर आधारित बनाये जायें भित्तिचित्र

**अयोध्या।** सप्तपुरियों में प्रथम अयोध्या पुरी को उसका गौरवशाली स्वरूप प्रदान करने, श्रद्वालुओं को सुविधा एवं उन्हें सुखद एवं समृद्व अनुभव देने के लिए मण्डलायुक्त गौरव दयाल की अध्यक्षता में अयोध्या शहर के विभिन्न प्रमुख चौराहों के सौन्दर्यीकरण के लिए मूर्तिध् भित्तिचित्र की स्थापना के सम्बंध में एक आवश्यक बैठक अयोध्या विकास प्राधिकरण के सभागार में आहूत की गयी। जिसमें पुलिस महानिरीक्षक प्रवीण कुमार, जिलाधिकारी नितीश कुमार, नगर आयुक्त विशाल सिंह एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारी सहित प्रसिद्व साहित्यकार,कवि यतीन्द्र मोहन मिश्र भी उपस्थित रहे।

मण्डलायुक्त ने कहा कि अयोध्या में निर्माणाधीन विभिन्न कॉरिडोर यथा रामपथ, भक्तिपथ, धर्मपथ, चौदहकोसी एवं पंचकोसी परिक्रमा मार्ग पर स्थित प्रमुख चौराहों के साथ–साथ अन्य प्रमुख चौराहों को अयोध्या विकास प्राधिकरण द्वारा समय–समय पर कराये गये आर्ट प्रतियोगिताओ तथा विभिन्न आर्केटेक्चरो के माध्यम से प्राप्त डिजाइनोंध्कलाकृतियों को मूर्ति,भित्तिचित्र के माद्यम से उकेरा जाना है ये भित्तचित्रध्मूर्तियां भगवान श्रीराम के जीवन चरित्र पर आधारित होंगी। उन्होंने कहा कि निर्माणाधीन रामपथ को कई चौनज में बांटकर इन्हें अलग–अलग कार्यदायी संस्थाओं के माध्यम से सजावट का कार्य किया जाय। मण्डलायुक्त ने कहा कि इस कार्य से सम्बंधित सभी कार्यदायी संस्थाओं के प्रतिनिधियों एवं वरिष्ठ अधिकारियों का एक व्हाटसअप ग्रुप बनाया जाय, जिस पर निरन्तर प्रगति अपडेट होती रहे। पुलिस महानिरीक्षक प्रवीण कुमार ने अयोध्या के विकास एवं सुरक्षा के दृष्टिगत किये जाने वाले कार्यो के सम्बंध में अपने सुझाव दिये। बैठक में उपस्थित साहित्यकार यतीन्द्र मोहन मिश्र ने कहा कि प्रमुख साहित्यकारों एवं विभिन्न संस्कृतियों में वर्णित श्रीराम के स्वरूपों को भी इन भित्तचित्र के माध्यम से प्रमुख स्थानों पर उकेरे जाने के सुझाव दिये,इस पर मंडलायुक्त ने सम्बन्धित अधिकारियों को अमल लाने के निर्देश दिए । बैठक में कार्यदायी संस्थाओ के अधिशाषी अभियंता सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे ।

## संक्षिप्त खबरे

### पति पर फोटो का इस्तेमाल कर फर्जी अकाउंट बनाने का आरोप, निजी मोबाइल नंबर को बांटा

**कानपुर।** शहर के हनुमंत विहार थाना क्षेत्र में पति द्वारा अपनी पत्नी के फर्जी फेसबुक और इंस्टाग्राम अकाउंट बनाकर अश्लील वीडियो वायरल करने का मामला सामने आया है। पीड़िता का आरोप है कि बीएसएफ में नौकरी करने वाले थरियांव फतेहपुर निवासी उसके पति ने उसके फोटो का इस्तेमाल कर फर्जी अकाउंट बनाया। इसके बाद उसे प्रताड़ित कर आत्महत्या लिए मजबूर कर रहा है। दोनों के बीच पहले से दहेज प्रताड़ना व मेंटनेंस एक्ट के तहत केस चल रहे हैं। केस को वापस लेने के लिए वह इस तरह की हरकतें कर ब्लैकमेल कर रहा। फ्रॉड आईडी से उसने सबको मैसेज किया। इसमें उसके निजी मोबाइल नंबर को बांट रहा है। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। बता दें कि पति की बेहद शर्मनाक हरकत से रिश्ते शर्मसार हुए हैं। महिला का आरोप है कि पति ने उसका मोबाइल नंबर बांट दिया,जिसके बाद उसके फोन पर भद्दे मैसेज आने लगे।

### डीएम व एसपी ने कुमुदनी पार्क किया पौधरोपण

**सीतापुर।** जिलाधिकारी अनुज सिंह व पुलिस अधीक्षक घुले सुशील चंद्रभान ने आज पंजाब नेशनल बैंक द्वारा आयोजित कुमुदनी पार्क के पास अशोक का वृक्ष लगाते हुये अन्य लोगों को भी वृक्षारोपड़ करने हेतु प्रेरित किया तथा वृक्षों को बचाने हेतु ट्रीगार्ड भी लगाये गये। उन्होंने कहा कि वृक्ष हमारे पर्यावरण को संतुलित रखने के लिये अत्यन्त आवश्यक हैं। अतः न केवल हमें नियमित तौर पर वृक्षारोपण करना चाहिये, बल्कि उसके उपरान्त उसकी देखभाल भी करना आवश्यक है। पेड़ों को बचाये रखना हमारी नैतिक जिम्मेदारी है तथा हम सभी को भविष्य के दृष्टिगत इस जिम्मेदारी का निर्वहन करना आवश्यक है। इसके साथ ही अपर जिलाधिकारी राम भरत तिवारी, नगर मजिस्ट्रेट अमृता सिंह, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका सीतापुर वैभव त्रिपाठी, जिला सूचना अधिकारी लाल कमल एवं जी0एम0 पंजाब नेशनल बैंक मृत्युंजय सहित पंजाब नेशनल बैंक के अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा भी वृक्षारोपण किया गया।

### ईरिक्शा चोरी की घटनाओं के मुकदमा दर्ज कराने के लिए भटक रहे हैं पीड़ित

**लालगंज,रायबरेली।** बाइक चोरी की घटनाओं के साथ–साथ लालगंज में ई–रिक्शा भी चोरी होने लगे हैं और ई रिक्शा चोरी की घटनाओं के पीड़ित लोग मुकदमा दर्ज कराने के लिए थाने के चक्कर काटने को मजबूर हैं। लेकिन पुलिस मुकदमा दर्ज नहीं कर रही है। ई रिक्शा के चोरी हो जाने की घटनाओं से जहां लोगों के सामने रोजी रोटी की दिक्कत खड़ी हो गई है। वही मुकदमा दर्ज न होने से बीमा कंपनी से पैसा मिल पाना भी मुश्किल है। ई–रिक्शा चोरी की घटनाओं से पीड़ित उतरा गौरी निवासी मनोज कुमार पुत्र मंगल प्रसाद ने बताया कि उनका ई–रिक्शा चोरी चला गया है। वहीं पूरे गरीब गांव के पुत्तू लाल कोरी का भी ई रिक्शा लालगंज बाजार से चोरी चला गया है । दोनों घटनाओं में पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज नहीं की है । हालांकि दोनों लोगों ने ऑनलाइन मामला पंजीकृत करा दिया है। लेकिन थाने में दर्ज कराने के लिए भटकने को मजबूर हैं।

### सौतेली मां ने पुत्री को पीटा

**लालगंज,रायबरेली** । लालगंज कोतवाली क्षेत्र के चिमनामऊ मजरे दतौली गांव अपने मायके आयी महिला को उसकी सौतेली मां ने लाठी–डंडों से मारपीट कर घायल कर दिया है। पीड़ित महिला पूनम पुत्री अलोपी ने पुलिस को शिकायती पत्र देते हुए बताया कि वह बच्चों की गर्मी की छुट्टी में अपने मायके आई थी जहां उसकी सौतेली मां गोमती और एक अन्य व्यक्ति बृजमोहन और राममोहन ने उसे लाठी–डंडों से मारा पीटा है।

उसकी सौतेली मां उसे घर में घुसने नहीं देती है। मामले में पुलिस ने घायल महिला का मेडिकल कराकर गोमती और बृजमोहन के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर जांच पड़ताल की जा रही है।

### गोताखोरों को एसपी ने किया सम्मानित

**रायबरेली।** ज्येष्ठ मास की पूर्णिमा पर गंगा स्नान करने आए दो युवकों के डूब जाने के बाद उन्हें खोजने में अहम भूमिका निभाने वाले छह स्थानीय गोताखोरों को एसपी अलोक प्रियदर्शी ने सराहा है। एसपी ने उनके मानवीय भाव और संवेदनाओं की सराहना की है। एसपी ने उन्हें पुरस्कार स्वरूप नगद राशि और प्रशस्ति पत्र दिया है। ज्ञात हो कि ज्येष्ठ मास की पूर्णिमा पर गंगा स्नान करने गेगासों घाट पर गुरुबक्सगंज थाना क्षेत्र के दो युवक डूब गए थे। घटना के बाद मौके पर हड़कंप मच गई थी। सूचना पाकर स्थानीय गोताखोर मौके पर पहुंचे और तत्काल गंगा नदी में डूबे हुए लोगों की खोज करने के लिए कूद गए। जिसमें एक युवक के शव को उसी दिन तथा दूसरे युवक के शव को दूसरे दिन गंगा नदी से बरामद किया गया था। इस काम में महती भूमिका निभाने वाले गेगासों निवासी मायाराम ,अंकित कुमार ,शिवम कुमार, शिवपुरी निवासी कल्लू ,रालपुर निवासी राम बख्श सिंह और गेगासो निवासी राजेश कुमार को पुलिस अधीक्षक आलोक प्रियदर्शी ने गुरुवार को अपने कार्यालय बुलाया और उनके द्वारा घटना में दिखाई गई मानवता तथा निस्वार्थ मानवीय कर्तव्य की जमकर सराहना की। एसपी ने उन्हें नगद राशि और प्रशस्ति पत्र दिया है। साथ ही पुलिस मित्र का प्रमाण पत्र देने का निर्देश प्रभारी निरीक्षक सरेनी को दिया है।

# ड्राइवर ने साथियों को कराई थी घर की रेकी,सीसीटीवी में कैद हुए थे दो शातिर

प्रयाग दर्पण संवाददाता

**कानपुर।** काकादेव निवासी बेकरी कारोबारी के घर हुई लाखों की चोरी का सेंट्रल जोन के थाना काकादेव पुलिस ने सूचना मिलने के कुछ घंटों के बाद में ही खुलासा कर दिया है। सीसीटीवी में कैद हुए अभियुक्त और चोरी की वारदात का मास्टरमाइंड कोई और नहीं बेकरी कारोबारी का ड्राइवर ही निकला। पुलिस ने ड्राइवर समेत अन्य अभियुक्तों को गिरफ्तार कर उनके पास से बड़ी मात्रा में चोरी किए गए माल को बरामद किया है। कुछ घंटों में हुआ खुलासा डीसीपी सेंट्रल प्रमोद कुमार ने गुरुवार को प्रेस वार्ता में बताया कि,काकादेव में रहने वाले बेकरी कारोबारी ने घर पर सात जून की रात को लाखों के जेवरात चोरी होने की शिकायत की गई थी। डीसीपी ने बताया कि, घटना के वक्त कारोबारी और उनकी पत्नी घर पर मौजूद नहीं थे। घटना के खुलासे के लिए काकादेव थाना पुलिस व स्पेशल टीम को लगाया गया। टीम ने क्षेत्र के आसपास के सीसीटीवी खंगाले तो दो व्यक्ति मुंह में गमछा बांधे फुटेज में घर के सामने से जाते दिखाई दिए। जानकारी जुटाने पर कारोबारी के ड्राइवर के साथ इस हुलिया के लोग एक दो बार देखे गये है। इस आधार पर पुलिस ने सैयद नगर रावतपुर निवासी ड्राइवर राहुल गुप्ता से पूछताछ की गयी तो पाया गया कि उसने घटना वाले दिन का अपने मोबाइल से सभी काल लाग डिलीट कर दिया। कड़ाई से पूछताछ करते हुए नकाबपोश व्यक्ति की सीसीटीवी फुटेज दिखायी गयी तो ड्राइवर ने फुटेज में संदिग्ध नकाबपोशों की पहचान बिमल दिवाकर उर्फ हनी रवैल, सिद्धार्थ कुशवाहा उर्फ सचिन के रूप में की। पूछताछ में ड्राइवर ने बताया कि दोनों ही आरोपियों को वो काफी समय से जानता है और उसी के कहने पर दोनों ने कारोबारी के घर चोरी की घटना को अंजाम दिया है। चोरी का पूरा माल बरामद पुलिस ने ड्राइवर समेत तीन आरोपियों को गिरफ्तार करने के साथ ही चोरी का पूरा माल के अलावा एक अवैध तमंचा 315 बोर व एक जिंदा कारतूस भी बरामद किया है।

### दीवानी कचेहरी में पुलिस ने चलाया चेकिंग अभियान

**रायबरेली।** लखनऊ के गैंगेस्टर कोर्ट परिसर में कुख्यात माफिया संजीव जीवा की हत्या से सबक लेते हुए रायबरेली में कचेहरी के बाहर दिन भर सघन जांच की जाती रही है। वादी प्रतिवादियों के अलावा यहां अधिवक्ताओं को भी बिना सघन जांच के भीतर नहीं जाने दिया गया।

पुलिस की इस कार्रवाई का अधिवक्ताओं ने भी स्वागत किया है। अधिवक्ताओं का कहना है कि लखनऊ में संजीव जीवा के हत्यारे अधिवक्ताओं के भेष में आये थे। इसलिए प्रदेश भर में वकीलों की सघन जांच जरूरी है। ज्ञात हो कि मुजफ्फरनगर का कुख्यात अपराधी संजीव जीवा ब्रह्मदत्त द्विवेदी की हत्या मामले में आरोपी था। इसी हत्याकांड को लेकर लखनऊ के गैंगेस्टर कोर्ट में उसकी पेशी थी। उसी दौरान वकील के भेष में आये हत्यारों ने उसे गोली मार दी थी।

# प्रधान सहित तीन के खिलाफ मुकदमा दर्ज

**मिल्कीपुर–अयोध्या ।** खंडासा थाना क्षेत्र के बकचुना गांव में कराए गए विकास कार्यों में अनियमितता की शिकायत की जांच करने पहुंचे अधिकारियों के सामने शिकायतकर्ता से अभद्रता करना ग्राम प्रधान एवं उनके अन्य साथियों को महंगा पड़ गया है। शिकायतकर्ता की तहरीर पर खंडासा पुलिस ने ग्राम प्रधान सहित तीन के विरुद्ध खंडासा पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। हालांकि पुलिस अभी मामले में किसी भी आरोपी को गिरफ्तार नहीं कर सकी है। बताते चलें कि खंडासा थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्रामसभा बकचुना के ग्राम प्रधान व ग्राम विकास अधिकारी के विरुद्ध गांव के ही समाजसेवी उमेश कुमार तिवारी द्वारा शपथ पत्र देकर भ्रष्टाचार की शिकायत की गई थी। जिस पर जिला कृषि सुरक्षा अधिकारी व लोक निर्माण के ए ई की संयुक्त जांच कमेटी गठित की गई थी। बीते बुधवार को जिला कृषि सुरक्षा अधिकारी व लोक निर्माण के एई द्वारा ग्राम सभा बकचुना का स्थलीय निरीक्षण किया गया था। निरीक्षण के दौरान शिकायतकर्ता उमेश कुमार तिवारी को ग्राम प्रधान राजेश यादव व उनके भाई कृष्ण कुमार यादव तथा प्रधान के भतीजे राजू यादव के द्वारा जमकर अभद्रता करते हुए बदसलूकी की गई थी। जिसका वीडियो भी वायरल हुआ था। जिस पर उमेश कुमार तिवारी पुत्र श्री कृष्ण कुमार तिवारी के द्वारा खंडासा थाने में शिकायती पत्र देकर कार्रवाई की गुहार की गई थी। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया है कि विपक्षी गण दबंग किस्म का आदमी है और आए दिन गाली गलौज व फौजदारी की धमकी देते रहते हैं। जिससे उनका पूरा परिवार काफी भयभीत है। थाना प्रभारी मनोज कुमार ने बताया कि तहरीर के आधार पर तीन लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है।

# जिलाधिकारी की अध्यक्षता में हुई मुख्यमंत्री के 37 प्रारूप की समीक्षा बैठक

## जनशिकायतों का गुणवत्तापूर्ण व ससमय निस्तारण सुनिश्चित किया जाए:–जिलाधिकारी

**हरदोई।** विकास भवन स्थित स्वर्ण जयंती सभागार में जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह की अध्यक्षता में मुख्यमंत्री के 37 प्रारूप की समीक्षा बैठक हुई। जिलाधिकारी ने स्वास्थ्य विभाग को परिवार नियोजन कार्यक्रमों में प्रगति लाने के निर्देश दिए। बाल विकास विभाग को निर्देशित किया कि कुपोषित बच्चों को सुपोषित श्रेणी में लाने के प्रयास किये जायें। उन्होंने समस्त विभागों को निर्देश दिए कि जनशिकायतों का गुणवत्तापूर्ण व ससमय निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। प्रत्येक स्तर पर निष्पक्षता सुनिश्चित की जाए। शिथिलता बरतने वाले अधिकारियों की जवाबदेही निर्धारित की जाएगी। वित्तीय अनियमितता के मामले में कड़ी कार्रवाई की जाएगी। आइजीआरएस शिकायतों का ससमय निस्तारण किया जाए। सभी कार्यालयाध्यक्ष अपनी अनुपस्थिति में शिकायत प्राप्त करने के लिए एक अधिकारी या कर्मचारी को नामित करें। सभी कार्यालयाध्यक्ष अपने कार्यालय का लैंडलाइन नम्बर सक्रिय करें। सभी अधिकारी अपने कार्यस्थल पर ही रात्रि विश्राम करें। बिना अनुमति मुख्यालय न छोड़ें। अधिकारी ऐसा कोई कार्य न करें जिससे जनपद की छवि खराब हो। कार्यालय की साफ–सफाई का ध्यान रखें। फाइलें व्यवस्थित ढंग से रखी जाएं। उन्होंने खनन अधिकारी को अवैध खनन के मामले में त्वरित कार्रवाई करने के निर्देश दिए। सिंचाई विभाग को नदियों में कटान रोकने के लिए एक कार्ययोजना बनाकर कार्य करने के निर्देश दिए। बिजली विभाग को विभाग से संबंधित शिकायतों पर तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सरकारी विभागों के विद्युत कनेक्शन संबंधी प्रकरणों का जल्द निस्तारण किया जाए। बेहतर सूचना प्रेषण तंत्र विकसित किया जाए। उन्होंने पंचायती राज विभाग को अवशेष सामुदायिक शौचालयों का कार्य जल्द पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि निर्माणाधीन पंचायत भवनों का निर्माण कार्य जल्द पूरा किया जाए। जिलाधिकारी ने नगर पालिका को गैस एजेंसियों द्वारा की जाने वाली खुदाई के मामलों में प्रक्रिया के अनुसार अनापत्ति प्राप्त करने के निर्देश दिए। समाज कल्याण विभाग को मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के आवेदन प्राप्त करने के निर्देश दिए। दुग्ध विभाग को सभी दुग्ध समितियों को सक्रिय करने के निर्देश दिए।

### आशनाई में युवक की निर्मम हत्या,प्राइवेट पार्ट काटा

**कानपुर।** कानपर में घाटमपुर कोतवाली क्षेत्र के तरगांव गांव में एक युवक की हत्या कर दी गई। नोन नदी किनारे खेत में ग्रामीणों को शव पड़ा मिला। युवक का प्राइवेट पार्ट काटा गया है। शरीर पर चोट के निशान हैं। युवक और हत्यारे के बीच संघर्ष के निशान भी मिले हैं। पुलिस ने घटनास्थल से खून से सना चाकू बरामद किया है। साथ ही, देशी शराब की शीशी और दो गिलास पड़े थे। आशनाई में हत्या की आशंका जताई जा रही है। अभी शव की शिनाख्त नहीं हो सकी है। जानकारी के अनुसार, गुरुवार सुबह ग्रामीण नोन नदी की ओर गए थे। इस दौरान तरगांव गांव निवासी नीलम यादव के खेत में युवक का शव पड़ा देखा। उन्होंने गांव में आकर जानकारी दी, तो हड़कंप मच गया। आनन फानन पुलिस को घटना की सूचना दी गई। घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने जांच पड़ताल के बाद शव को कब्जे में ले लिया।

शव के शिनाख्त के प्रयास किए गए, लेकिन सफलता नहीं मिली।

### दबंगों के हमले में घायल वृद्ध की हुई मौत, पुरानी रंजिश में बांके से हाथ काटकर किया लाठी से वार

**हरदोई।** पाली इलाके में पुरानी रंजिश के चलते दबंगों ने एक वृद्ध पर जानलेवा हमला कर दिया। जिसे लहूलुहान अवस्था में पाली पीएचसी में भर्ती कराया गया। जिसकी गंभीर हालत देखते हुए डॉक्टरों ने मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। यह वारदात तब हुई जब वह खेत से चारा काटकर आ रहा था। सूचना पर पहुंची पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी है। बताया गया कि पाली थाना क्षेत्र के मुडरामऊ गांव निवासी दयाराम पुत्र दर्शन ने पुलिस को तहरीर दी। जिसमें पीड़ित ने बताया कि वह बृहस्पतिवार सुबह लगभग साढ़े 10 बजे खेत से चारा लेकर आ रहा था। इसी दौरान गांव निवासी महावीर, रघुवीर, परीक्षित उर्फ संदीप, मनोज व रजनीश ने महेश के ट्यूबवेल के पास धारदार बांके से जानलेवा हमला कर दिया। हमले में दयाराम मरणासन्न हो गया। हमलावरों ने इस दौरान उसका एक हाथ काट लिया और घुटनों पर लाठी से वार कर मरणासन्न कर दिया। परिजन मरणासन्न अवस्था में उसे प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पाली लेकर पहुंचे। वहीं अस्पताल में प्रभारी निरीक्षक राजकुमार पांडेय ने पीड़ित दयाराम के बयान दर्ज किए। डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार करने के बाद गंभीर हालत को देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया। जहां उसकी इलाज के दौरान मौत हो गई। इस घटना से परिजनों और गांव में कोहराम मच गया। दयाराम के भाई रामपाल ने बताया कि आरोपियों ने पुरानी रंजिश को लेकर घटना को अंजाम दिया है। दोनों पक्षों के बीच कई वर्षों से मुकदमेबाजी चल रही है। फिलहाल इस घटना से गांव में सनसनी फैल गई है। एएसपी पश्चिमी दुर्गेश कुमार सिंह ने बताया कि पाली थाना क्षेत्र के मुड़रामऊ में दो पक्षों में विवाद चल रहा था। इसी को लेकर एक पक्ष ने दयाराम पर बांके से हमला बोल दिया। हमलावर जिसे मरणासन्न हालत में छोड़कर फरार हो गए। जिसको इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मामले में आरोपियों को जल्द ही गिरफ्तार कर विधिक कार्रवाई की जायेगी।

# शिक्षा से वंचित रह गए लोगों को मुक्त विश्वविद्यालय से काफी आशाएं –राज्यपाल आनंदीबेन पटेल

प्रयाग दर्पण संवाददाता

**लखनऊ।** प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने आज जनपद कानपुर में उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के क्षेत्रीय केंद्र के नवनिर्मित भवन का लोकार्पण किया। यह भवन भूखंड संख्या–4 ब्लॉक डब्ल्यू योजना–2 बी एम मार्केट, जूही कानपुर में स्थित है।

इस अवसर पर राज्यपाल जी ने अपने संबोधन में कहा कि विश्वविद्यालयों को अपने शिक्षा पाठ्यक्रमों में नवीन परिवर्तनों के साथ लोक कल्याणकारी कार्यक्रमों को प्रारंभ करना चाहिए। शिक्षा से वंचित रह गए लोगों को मुक्त विश्वविद्यालय से काफी आशाएं हैं। युवाओं को ज्ञान के साथ–साथ नवीन तकनीक, प्रशिक्षण और कौशल विकास की आवश्यकता है। उन्होंने क्षेत्रीय केंद्र कानपुर के भवन का उद्घाटन करते हुए कहा कि कानपुर नगर उत्तर प्रदेश की औद्योगिक राजधानी है। यहाँ बहुत से औद्योगिक क्षेत्र एवं औद्योगिक घराने हैं। विश्वविद्यालय इनके साथ मिलकर युवाओं को प्रशिक्षण प्रदान करे। जिससे उन्हें कौशल युक्त रोजगार प्राप्त हो सके। उन्होंने कहा कि समय की मांग के अनुसार कौशल विकास, इनक्यूबेशन सेंटर और स्टार्ट अप आदि क्षेत्र में युवाओं को प्रशिक्षण की आवश्यकता है। राज्यपाल जी ने कहा कि हमारी नई पीढ़ी को तकनीकी ज्ञान में दक्षता हासिल होनी चाहिए। मुक्त विश्वविद्यालय को उन्नत खेती पर आधारित कार्यक्रमों के बारे में किसानों को बताना चाहिए कि वे ऐसी खेती करें जिससे मिट्टी उर्वरा शक्ति से सशक्त हो। उन्होंने महिलाओं को पोषण युक्त आहार दिए जाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि वर्ष 2023 को भारत में अन्न वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। राज्यपाल ने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय को तकनीकी विश्वविद्यालयों के साथ भी एम0ओ0यू0 करना चाहिए जिससे तकनीकी ज्ञान में दक्ष युवाओं को भी पढ़ाई का अवसर प्राप्त हो सके।

### बेखौफ अज्ञात चोरों ने बनाया दो घरों को निशाना

**महोली (सीतापुर)।** गुरुवार की देर रात अज्ञात चोरों ने कस्बे के दो घरों को निशाना बनाया। जिसमें चमारन टोला निवासी राजकुमार चक्रवर्ती की पत्नी ममता ने थाने में तहरीर देकर 4000 की नकदी समेत सोने चांदी के जेवरात व जरूरी सामान की चोरी का हवाला दिया है। वहीं संजय अवस्थी पुत्र कृष्ण कुमार अवस्थी के द्वारा घर में घुसकर कमरों के दरवाजे खोलकर बक्से में रखे जरूरी सामान, सोने चांदी के जेवरात और 1050 रू नकदी की चोरी की गई है। जानकारी के मुताबिक 7 जून की देर रात ममता पत्नी राजकुमार जो अपने घर की छत पर सोई हुई थी। पड़ोस के खाली पड़े घर की छत से अज्ञात चोर जीने के रास्ते नीचे उतर कर कमरे के दरवाजे का ताला तोड़ अन्दर दाखिल हो गये। जहां पर बक्से के कुण्डे में पड़ा ताला तोड़ दिया और उसमें रखे जरूरी सामान तथा सोने चांदी के जेवरात और 4000 की नगदी चुरा ले गये।

# सपा महिला जिलाध्यक्ष सरोज यादव का स्वागत

**अयोध्या।** समाजवादी पार्टी की महिला सभा की जिलाध्यक्ष सरोज यादव संगठन विस्तार करने को लेकर मिल्कीपुर विधानसभा की महिलाओं से बैठक की और संगठन को कैसे मजबूत किया जाए उस पर चर्चा की। डॉ निशात अख्तर ने बताया कि नवनिर्वाचित जिलाध्यक्ष सरोज यादव का महिलाओं ने भव्य स्वागत करते हुए कहा कि हमें बहुत खुशी है की आप हमारी नेता है हम राष्ट्रीय अध्यक्ष का आभार व्यक्त करते हैं आपको जिले की कमान देकर महिलाओं में हिम्मत, जोश एवं उत्साह भरने का काम किया है क्योंकि जिले में अभी तक कोई महिला नेतृत्वकर्ता नही था हम बहने राष्ट्रीय अध्यक्ष जी को यह विश्वास दिलाते हैं की हम आपके साथ कदम से कदम मिलाकर काम करेंगे और पार्टी को मजबूत करने के लिए हमेशा तत्पर रहेंगे। सरोज यादव ने कहा की समाजवादी पार्टी की नीतियों एवं काम को जन–जन तक पहुंचाने का काम करें जिससे आम जनता पार्टी से जुड़ सके। उन्होंने कहा कि विधानसभा वार बूथ कमेटियों को भी मजबूत करने और विधानसभा अध्यक्ष बनाने के लिए सक्रिय कार्यकर्ताओं को आगे लाया जाएगा जिससे 2024 की लोकसभा चुनाव में पार्टी को और अधिक मजबूती मिल सके एवं कार्यकर्ता मुख्य विपक्ष की भूमिका निभाने का काम करें साथ ही जन समस्याओं को प्रमुखता से उठाएं और उन्हें हर संभव निस्तारित करने का प्रयास करें। आम जनता के बीच जाकर उनकी समस्याओं को सुनकर निस्तारण कराने में अपनी अहम भूमिका निभाए ताकि आम आदमी के मन में पार्टी के प्रति और अधिक विश्वास कायम हो सके। मुख्यता सुनीता कोरी, देवराज जी, गौतम, दर्शना, आमपता, राजकुमारी, पियारा, प्रेमा, विद्यावती, मनोज कुमार, सुरसरि कुसमा कोरी, श्रीमती चंपाल, सुषमा पाल, गौतम, ब्रजमा पाल, केशवपति, श्यामपति, पूनम पाल, राजकुमारी, सुनीता, गुड्डन, राजकुमारी, पूनम कुमारी, राकेश यादव, रामजी पाल आदि उपस्थित रहे।

# मुस्लिम अल्पसंख्यक युवाओं को रोजगार से जोड़ने के लिए प्रयास कर रही है योगी सरकार

## प्रयागराज में मुस्लिम बाहुल्य इलाकों में सेवायोजन विभाग ने आयोजित किया रोजगार मेला

**प्रयाग दर्पण संवाददाता**

**प्रयागराज।** सुशासन, सबका साथ और सबका विकास के मूल मन्त्र पर आगे बढ़ रही योगी सरकार उत्तर प्रदेश के मुस्लिम अल्पसंख्यकों को भी रोजगार से जोड़ने के लिए निरंतर प्रयत्न कर रही है। प्रयागराज में मुस्लिम अल्पसंख्यक बाहुल्य इलाकों में भी रोजगार मेले आयोजित किये जा रहे हैं ताकि अल्पसंख्यक युवाओं को रोजगार और करियर का रास्ता मिल सके।अल्पसंख्यक युवाओं को रोजगार और करियर से जोड़ने के लिए शहर के मुस्लिम बाहुल्य इलाके अटाला के मजीदिया इस्लामियां इंटर कॉलेज में वृहद् रोजगार मेले का आयोजन किया गया। प्रयागराज के सहायक निदेशक सेवायोजन रत्नाकर अस्थाना बताते हैं कि इस रोजगार मेले में 109 बेरोजगारों को नौकरी दी गई। अटाला के अलावा करेली, नखास कोना , दरियाबाद और गौसपुर इलाके से आये मुस्लिम अल्पसंख्यक युवाओं ने इसमें पूरे उत्साह के साथ हिस्सा लिया। मेले में आए अभ्यर्थियों को रोजगार से जुडी जानकारी देने के लिए प्री प्लेसमेंट काउंसिलिंग का आयोजन भी किया

गया। रोजगार मेले में शिव शक्ति बायो बायो टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड, बजाज इंश्योरेंस बुकिंग लिमिटेड , रिलाइंस निप्पन लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड , डिजर्व कैरियर केयर प्राइवेट लिमिटेड , डस्की इटेलियन कंसलटेंसी सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड , शिवांगी लॉजिस्टिक और पिंच सिक्योरिटी सर्विसेज प्राइवेट शामिल हुईं।

प्रयागराज शिक्षा का बड़ा केंद्र है जहां हर साल प्रदेश के कई शहरों से युवा यहाँ शिक्षा लेने आते हैं। एकेडमिक शिक्षा पूरी होने के बाद नौकरी का इंतजार कर रहे इन बेरोजगार युवाओं के लिए योगी सरकार के वृहद् रोजगार मेले मददगार साबित हो रहे हैं। प्रयागराज के सहायक निदेशक सेवायोजन रत्नाकर अस्थाना के मुताबिक जिले में पिछले वित्तीय वर्ष में 13 वृहद् रोजगार मेले आयोजित किये गए। इन रोजगार मेलों में 311 निजी कंपनियां यहां आई हैं। इन वृहद् रोजगार मेलों से 3,187 युवाओं को नौकरी दी गई है।

## अपराधियों के दिल से दूर हुआ पुलिस का खौफ

**प्रयागराज।** शहर के तमाम इलाकों में अपराधी बेखौफ अपराध को अंजाम दे रहे हैं। चाहे छोटे हो चाहे बड़े हो अपने आपको वह खुलकर दबंगई दिखाते हुए लोगों के बीच खौफ पैदा कर रहे हैं। कई इलाकों में तो खुलेआम पुलिस की संरक्षण में जुआ, सट्टा और मादक पदार्थ की बिक्री धड़ल्ले से की जा रही है। पुलिस के सिपाही से लेकर उनके अधिकारी तक पैसे की बंदरबांट भी होती है। बड़े अधिकारियों के जब संज्ञान में बात पहुंचती है तो करवाई होने लगती है लेकिन कार्रवाई से पहले उनके संरक्षण में पल रहे पुलिसकर्मी सूचना उन तक पहुंचा देते हैं और कारोबार कई दिनों के लिए बंद हो जाता है। मानो ऐसा लगता है कि यहां कभी जीवन में कोई भी अपराध ा हुआ हो। अगर पुलिस से शिकायत की जाए तो उल्टा चोर कोतवाल को डांटे यही कहावत होती है। पुलिस के आला अधिकारी कहते हैं कि कहीं भी अपराध हो रहा हो तो उसकी सूचना देने वाले का नाम गुप्त रखा जाएगा मगर इसके उलट सूचना देने वाले का नाम अपराधियों तक पहुंचा दिया जाता है और फिर दुश्मनी का खेल शुरू हो जाता है।

# शहर में अंडर ग्राउंड विद्युत केबल में प्रगति न होने पर एक्सईएन से करें जवाब-तलबः प्रबंध निदेशक

**प्रयाग दर्पण संवाददाता**

**चित्रकूट।** दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड आगरा के प्रबंध निदेशक अमित किशोर व जिलाधिकारी अभिषेक आनन्द की मौजूदगी में विद्युत विभाग के विभिन्न कार्यों की समीक्षा हुई। प्रबंध निदेशक ने राजस्व वसूली पर कहा कि माह के लक्ष्य के अनुरूप शत–प्रतिशत वसूली की जाये।

गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभागार में विद्युत कार्यों की समीक्षा बैठक में प्रबंध निदेशक अमित किशोर ने सभी अवर अभियंताओं से कहा कि क्षेत्र में जर्जर तार, खंभा, ट्रांसफार्मर, क्षमता वृद्धि आदि विद्युत के जो कार्य होने हैं, प्रस्ताव बनाकर शासन को भेजें। जिलाधिकारी ने अध ीक्षण अभियंता विद्युत से कहा कि बैठक करके विद्युत व्यवस्था के जो कार्य होने हैं, प्रस्ताव बनाकर शासन को भेजें। जिलाधिकारी ने उपजिलाधि ाकारियों से कहा कि विद्युत वसूली शत–प्रतिशत कराएं। प्रबंध निदेशक ने सभी उप जिलाधिकारियों, खंड विकास अधिकारियों तथा जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी एवं जिला विद्यालय निरीक्षक से कहा कि शासन ने जिले की आबादी के सापेक्ष आईटीआई डिप्लोमा डिग्री कॉलेज के विद्यार्थियों एवं एसएचजी की महिलाओं से

हाउसहोल्ड सर्वे कराकर नए विद्युत कनेक्शन कराए जाएं। उन्हें पारश्रमिक भी दिया जाएगा।

उन्होंने कहा कि चित्रकूट क्षेत्र में विद्युत 24 घंटे संचालित रहे, इसके लिए कार्य योजना बनाएं। धर्म नगरी–तीर्थ क्षेत्र के लिए एवं बाढ़ दौरान प्रभावित क्षेत्रों में विद्युत व्यवस्था सुचारू रखने को प्रस्ताव बनाया जाए। शहर में विद्युत केबल के अंडर ग्राउंड कार्य पर प्रगति न होने पर निदेशक टेक्निकल को निर्देश दिए कि दोनों अधिशासी अभियंताओं से जवाब–तलब किया जाए। उन्होंने कार्यदाई संस्था के अधि ाकारियों को निर्देश दिए कि मैन पावर बढ़ाकर कार्य को तेजी से करायें। निर्माण कार्य कार्यदाई संस्थाओं से कराया जा रहा है, उसमें तेजी लाएं। शासन से निर्धारित समय सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण कार्य करायें।

उन्होंने अधीक्षण अभियंता विद्युत को निर्देश दिए कि इनके कार्यों की समीक्षा करें। 1912 में जो समस्याएं मिली हैं, तत्काल निस्तारण कराएं। जल जीवन मिशन के विद्युत कनेक्शन के कार्य तत्काल कराएं। अधीक्षण अभियंता तथा अधिशासी अभियंताओं को निर्देश दिए कि विद्युत व्यवस्था` सुचारू ढंग से संचालन को जिले में जो भी कार्य होने हैं, उनका प्रस्ताव भेजें।

# संक्षिप्त खबरे

## जन्मदिन मनाने के लिए मिले पैसो को सेवा कार्य में किया खर्च

**प्रयागराज।** अपना जन्मदिन मनाने के लिए मिले पैसो से भीषण गर्मी में सड़क पर गुजर रहे गरीब, राहगीरों, रिक्शा चालक, चौराहा पर खड़े यातायात सिपाही और मजदूरी कर रही महिला एंव पुरुष मजदूरों को गुड और पानी बाँट कर इंसानियत का संदेश दे रहे युवा समाजसेवी व समाजसेवी संस्था विजय विश्व भारती फाउंडेशन के सचिव वरुण सिंह चौहान सरोज इंस्टिट्यूट कॉलेज से डी० फार्मा प्रथम वर्ष के छात्र है। 8 जून को इनके जन्मदिन पर जो पैसा पिता और घरवालों से मिलता है उससे वह जन्मदिन ना मना कर गरीबों की सेवा में खर्च करते हैं। यह जल सेवा 20 जून तक जारी रहेगी, जहाँ एक ओर युवाओं द्वारा जन्मदिन के अवसर पर बड़े–बड़े क्लबो में जाकर पैसे बर्बाद किए जा रहे हैं।

## प्रस्तुतिपरक प्रबुद्ध बाल रंग कार्यशाला का समापन 11 जून को

**प्रयागराज।** मम्फोर्डगंज स्थित राष्ट्रीय शिशु विद्यालय के परिसर में सात से सत्रह आयु वर्ग के बच्चों के सृजनात्मक, कलात्मक और व्यक्तित्व विकास के लिये प्रबुद्ध फाउंडेशन, देवपती मेमोरियल ट्रस्ट और डा. अम्बेडकर वेलफेयर एसोसिएशन (दावा) के संयुक्त तत्वाधान में एक तेईस दिवसीय प्रतुतिपरक ग्रीष्मकालीन प्रबुद्ध बाल रंग कार्यशाला में बहुजन समाज के पचासों बच्चों को रंगमंच के विविध कला आयामों के विषय मे प्रशिक्षण दिया जा रहा है। कार्यशाला में प्रतिभागी बच्चे प्रतिदिन चार घंटे खेल कूद, विपश्यना, व्यायाम, योगा, गीत, नृत्य और नाटकों में प्रशिक्षण ले रहे हैं।कार्यशाला का समापन 11 जून को अपराह्न 02 बजे से उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र प्रयागराज के प्रेक्षागृह में दर्जनों नृत्य, नाटक व गायन की प्रस्तुतियों के साथ किया जाएगा।

## निजी फाइनेंस कंपनी के कैशियर पर धोखाधड़ी का केस दर्ज

**कौशाम्बी।** मंझनपुर में संचालित फाइनेंस कंपनी के कैशियर पर गबन का आरोप लगा है। ब्रांच मैनेजर को प्रकरण की जानकारी हुई तो खलबली मच गई। पूछताछ करने पर कैशियर टाल मटोल करता रहा। ब्रांच मैनेजर की तहरीर पर पुलिस ने आरोपित कैशियर के खिलाफ केस दर्ज कर मामले की जांचपड़ताल शुरू कर दी है।प्रतापगढ़ के कमासिन नारायनपुर निवासी अलोक कुमार यादव ने बताया कि वह एक निजी कपंनी का ब्रांच मैनेजर है। शाखा में दस लोग लोन अफसर का काम करते हैं। रविवार की रात सभी लोन अफसर ने धनराशि का मिलान करते हुए पांच लाख 17 हजार 350 रुपये शाखा के कैशियर राज सिंह को दिया था। दूसरे दिन रकम डिपॉजिट करने के लिए कहा गया तो कहा कि रकम उसके पास नहीं है। आरोप है कि कैशियर ने हेराफेरी करते हुए रकम हड़प कर ली है। पूछताछ करने पर भी वह संतोष जनक उत्तर नहीं दे सका। ब्रांच मैनेजर अजय यादव ने कोतवाली में मामले की नामजद तहरीर पुलिस को दी। ब्रांच मैनेजर की तहरीर पर पुलिस ने आरोपित कैशियर राज सिंह के खिलाफ गबन का केस दर्ज कर लिया है।

## गांव छोड़कर जाने की दी धमकी

**कौशाम्बी।** कोखराज कोतवाली इलाके के खोरांव गांव में दबंगों ने घर में घुसकर मारपीट की। विरोध करने पर पड़ोसी कुनबे को गांव छोड़कर भाग जाने की धमकी दी। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर चार आरोपितों के खिलाफ केस दर्ज कर मामले की जांच पड़ताल शुरू कर दी है।कोखराज क्षेत्र के खोरांव निवासी गोरेलाल ने बताया कि वह गांव के समीप घर बनवा रहा है। पड़ोसी अपने परिजनों व मददगारों के साथ पहुंचा। घर में घुसकर बेटी से मारपीट करने लगा। विरोध करने पर आरोपितों ने गांव छोड़कर भाग जाने की धमकी दी। धमकाया कि वह जैसा कहेगें वही करना पड़ेगा यदि ऐसा नहीं किया तो अंजाम ठीक नहीं होगा। शाम को पीड़ित थाने पहुंचा और मामले की नामजद शिकायत की। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने आरोपित फैजुल, ननका समेत चार लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

## पुलिस गिरफ्त में शराब कारोबारी

**चित्रकूट।** पुलिस अधीक्षक श्रीमती वृन्दा शुक्ला के निर्देश पर अवैध शराब निर्माण एवं बिक्री की रोकथाम को जारी अभियान में पुलिस ने चार लोगों के कब्जे से 125 क्वार्टर देशी शराब बरामद की है।गुरुवार को भरतकूप थाने के दरोगा इमरान खां की टीम ने आशीष उर्फ रिंकू पुत्र राजेन्द्र प्रसाद निवासी पुरवा तरौंहा कोतवाली कर्वी के कब्जे से 45 क्वार्टर देशी शराब समेत गिरफ्तार किया है। सरधुआ थाने के दरोगा सत्यमपति त्रिपाठी की टीम ने राजाराम पुत्र कल्लू रैदास निवासी तीरधुमाई गंगू के कब्जे से 40 क्वार्टर देशी शराब समेत गिरफ्तार किया है। मऊ थाने के दरोगा गंगाचरन प्रजापति की टीम ने राहुल सागर पुत्र राजेन्द्र कुमार निवासी इटवां के कब्जे से 26 क्वार्टर देशी शराब समेत गिरफ्तार किया है।मऊ थाने के दरोगा विजय बहादुर यादव की टीम ने राम समुन्दर पुत्र रामेश्वर रैदास निवासी चन्दई के कब्जे से 14 क्वार्टर देशी शराब समेत गिरफ्तार किया है। सभी के खिलाफ थाने में आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है।

## 63 पव्वा देशी शराब के साथ दो पकड़े

**मथुरा।** पुलिस ने 63 पव्वा देशी शराब के साथ दो लोगों को गिरफ्तार किया है। थाना छाता पुलिस ने 48 पव्वा देशी शराब हरियाणा मस्ताना मार्का के साथ ग्राम दौताना में चन्दौरी मोड के पास से अभियुक्त ललित सिंह उर्फ ललतू पुत्र चौब सिंह निवासी चन्दौरी थाना छाता को गिरफ्तार किया। वहीं थाना वृन्दावन पुलिस ने 21 पव्वा अवैध देशी शराब के अभियुक्त बद्री उर्फ राजू पुत्र सुर्दशन सिंह निवासी ग्रानो छिनोटा थाना गैसवार जिला दमोह मध्य प्रदेश हाल निवासी पानी की टंकी के सामने किशोर पुरा थाना वृन्दावन को 21 पौवा अवैध ा देशी शराब के साथ रुकमणि बिहार के पास वृन्दावन से गिरफ्तार किया है।

# बीट प्लास्टिक पॉल्यूशन विषय पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन

**प्रयाग दर्पण संवाददाता**

**प्रयागराज।** सोसाइटी ऑफ बायोलॉजिकल साइंस एंड रूलर डेवलपमेंट प्रयागराज, उत्तर प्रदेश में बीट प्लास्टिक पॉल्यूशन नामक विषय पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन ऑनलाइन संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम में सभी का स्वागत एवं कार्यक्रम की जानकारी डॉक्टर हेमलता पंत, सचिव , एस.बी.एस. आर.डी .प्रयागराज ने दी। डॉ. पंत ने कहा कि इस वर्ष की थीम संयुक्त राष्ट्र संघ ने बीट प्लास्टिक पॉल्यूशन चुना है।इस अभियान में प्लास्टिक प्रदूषण के समाधान पर ध यान केंद्रित किया जाएगा। कार्यक्रम में कार्यकारी सचिव डॉखम जेम्स सिंह ने संस्था के बारे में जानकारी दी। इस प्रतियोगिता में वेदांत सिंह, विपिन यादव, आर्या कृष्णन, अश्वनी नाथ तिवारी, अनूप सिंह, आयशा, कृति एवं

विष्णु मिश्रा ने अपने विचार रखे। वक्ताओं ने इकोब्रिक पर चर्चा के साथ ही प्लास्टिक से सड़क निर्माण की बात कही। ओयस्टर मशरूम से कुछ ऐसे कैप्सूल का निर्माण हुआ है जो प्लास्टिक को घुलनशील बना सकता है, यह शोध ऑस्ट्रेलिया में हो रहा है। इस पर भी ध्यान केंद्रित कराया। कपड़े के थैले का प्रयोग, महुआ के पत्तों से बने पत्तल व दोनों का प्रयोग, स्टील एवम् बांस की बनी पानी की बोतलों का प्रयोग करने में प्लास्टिक के प्रयोग को कम किया जा सकता है। इस कार्यक्रम में निर्णायक की भूमिका में डॉक्टर देवेंद्र स्वरूप, डॉक्टर पल्लवी राय एवं डॉ पीयूष रमन पांडे रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ विनी जान एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ अमित मौर्या ने किया।

## घर पहुंचने से पहले पहुंच गई पिता पुत्री की मौत की सूचना

**मथुरा।** शादी समारोह में शामिल होकर लौट रहे पिता पुत्री के घर पहुंचने से पहले उनकी मौत की सूचना पहुंच गई। सूचना मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। गांव में जिसने भी सुना वह स्तब्ध रह गया। गुरुवार को सुरीर क्षेत्र के गांव सिकंदरपुर निवासी प्रकाश चंद अपनी 18 वर्षीय बेटी सीमा एवं गांव के ही एक अन्य व्यक्ति 32 वर्षीय शिव कुमार पुत्र सुखपाल सिंह के साथ शादी कार्यक्रम में शामिल होने के बाद घर लौट रहे थे। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। वहीं घायल को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है।

मुकेश चंद्र ने थाना मांट में कार चालक के खिलाफ तहरीर देकर मुकदमा दर्ज कराया है। मांट थाना प्रभारी निरीक्षक प्रदीप कुमार ने बताया कि मामले में तहरीर के आधार पर कार चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है।

## एनसीपी सेवादल छोड़ कांग्रेस की मुख्यधारा में शामिल हुए श्रवण दुबे

**प्रयागराज।** राष्ट्र वादी एन सी पी कांग्रेस सेवा दल के प्रदेश अध्यक्ष श्रवण कुमार दुबे ने आज अपनी पार्टी छोड़कर जिला कांग्रेस कार्यालय में कांग्रेस पार्टी में कार्यकर्ताओं

सहित शामिल हो गए। उक्त जानकारी देते हुए जिला कांग्रेस कमेटी के गंगा पार जिला अध्यक्ष सुरेश चंद यादव ने बताया कि श्रवण कुमार दुबे 2016 से एनसीपी में थे और उत्तर प्रदेश राष्ट्रवादी कांग्रेस सेवादल के प्रदेश अध्यक्ष रहे लेकिन पार्टी में संगठनात्मक रूप से कोई कार्य ना होने के कारण कांग्रेस की मुख्यधारा में शामिल होने का निर्णय उन्होंने किया। इस संबंध में एक पत्र उन्होंने पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष शरद पवार और पार्टी के नेता सुप्रिया सुले को इस्तीफा देकर जानकारी के लिए भेज दिया है। यादव ने बताया कि आज श्री दुबे ने विधिवत रूप से कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण किया और पूरी निष्ठा के साथ कांग्रेसमें व कार्य करेंगे। कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने जिला कांग्रेस कार्यालय पर श्री दुबे को माला पहनाकर उनका स्वागत किया।स्वागत करने वालों में राकेश पटेल, रईस अहमद, जितेश मिश्रा, मनोज पासी, कमलेश पांडे, आदर्श प्रजापति, राजेश भारतीय सहित दर्जनों लोग शामिल है।

## बेसिक स्कूल 26 जून तक बंद

**प्रयागराज।** उत्तर प्रदेश में पड़ रही भीषण गर्मी को देखते हुए बेसिक शिक्षा परिषद के अधीन सभी स्कूल अब 26 जून तक बंद रहेंगे। अभी तक ग्रीष्मावकाश केवल 15 जून तक ही था और 16 जून से सभी विद्यालय खुलने थे। अब 8वीं तक के सभी बेसिक स्कूल 27 जून गुरुवार को खुलेंगे। यह आदेश उत्तर प्रदेश बेसिक शिक्षा परिषद के सचिव प्रताप सिंह बघेल ने जारी किया है। प्रदेश के सभी बीएसए को भेजे पत्र में इसका अनुपालन कराने का आदेश दिया गया है।

अभी तक परिषदीय विद्यालयों में 20 मई 2023 से 15 जून 2023 तक कुल 27 दिन ग्रीष्मकालीन अवकाश घोषित किया गया था। अब ग्रीष्मकालीन अवकाश की अवधि 20 मई 2023 से 26 जून 2023 तक अवकाश घोषित किया गया है। शीतकालीन अवकाश 31 दिसंबर 2022 से 14 जनवरी 2023 तक कुल 15 दिन घोषित किया गया था।

# सरकार का एमएसपी सी–2/50ः से बहुत कमः आशीष मित्तल

**प्रयागराज।** आर्थिक मामलों की कैबिनेट समिति (सीसीईए) द्वारा कल घोषित 2023–24 की खरीफ फसलों के लिए एमएसपी में वृद्धि सी–2ध50ः से काफी कम है और यह केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा किसानों पर लादे जा रहे नवीनतम अतिरिक्त बोझ से किसानों को राहत देने में विफल रहेगी। सरकार एक बार फिर सभी किसानों से, सभी मंडियों में, सभी फसलों की सुनिश्चित खरीद के उपायों की घोषणा करने में, जिससे फसलों का खरीद मूल्य बढ़ सकता है, विफल रही है। जहां सरकार खरीद करती है वहां लगभग सभी प्रमुख फसलों में घोषित एमएसपी का केवल 70ः दाम किसानों को मिलता है, बिचौलियों और अमीर किसानों ही सरकारी कीमतों से लाभ उठाते हैं। यह बातें एआईकेएमएस के राष्ट्रीय महासचिव आशीष मित्तल ने कही है।

श्री मित्तल ने कहा कि हालांकि सरकार का दावा है कि बाजरा का एमएसपी उत्पादन लागत से 82ः अधिक है और अधिकांश अन्य के लिए यह सी–2 लागत से 50ः अधिक है, तथ्य यह है कि इसकी गणना के आधार में कोई पारदर्शिता नहीं है। धान के उत्पादन की लागत का सरकार का अनुमान 1850 रुपये से ऊपर है, जबकि अन्य अध्ययनों ने इसे लगभग 2600 प्रति क्विंटल रखा है। इसमें 750 रुपये प्रति क्विंटल की औसत श्रम लागत आती है। यानी सी–2ध50+ 2775 रुपये (1850 गुणा 1.5) प्रति क्विंटल होना चाहिये, जबकि सरकार ने केवल 2183 रुपये घोषित किया है, यानि 22ः कम है। उन्होंने कहा कि इसी तरह गेहूं की उत्पादन लागत करीब 1600 रुपये प्रति क्विंटल है और इसकी एमएसपी 2400 रुपये प्रति क्विंटल होनी चाहिए, पर यह महज 2025 रुपये है, यानी 16 फीसदी कम।

# डाक्टर का फार्म हाउस कब्जा करने की कोशिश

## दर्ज कराई एफआईआर, मारपीट, गाली–गलौज व धमकी देने का आरोप

**प्रयागराज।** डॉक्टर एके बंसल की पत्नी और जीवन ज्योति हॉस्पिटल की निदेशक स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. वंदना बंसल ने इंडस्ट्रियल एरिया थाने में एक व्यक्ति के खिलाफ गाली गलौज, मारपीट, जान से मारने की धमकी और जमीन कब्जा करने की एफआईआर दर्ज कराई है। जिसकी पुलिस जांच कर रही है।

यमुनानगर के औद्योगिक क्षेत्र थाना में दी गई तहरीर के मुताबिक बाई का बाग, कीडगंज की रहने वाली डॉ. वंदना बंसल का औद्योगिक क्षेत्र के मदनुआ उपरहार, अरैल में एक फार्म हाउस है। जिस पर उनके कर्मचारी काम करते हैं। अर्पित हॉस्पिटल के नाम से बने इस फॉर्म हाउस का मालिकाना हक इसके पहले उनके पति डॉ. एके बंसल का था। उनकी हत्या के बाद इस फार्महाउस की देखरेख एवं मालिकाना हक की जिम्मेदारी डॉ वंदना बंसल पर आ गई।

डॉ वंदना बंसल के अनुसार इंद्र बहादुर उर्फ पूरन यादव पुत्र मोहनलाल निवासी अजवईया, औद्योगिक क्षेत्र एक आपराधिक प्रकृ ति का आदमी है। वह उनके फार्म हाउस पर जाकर कर्मचारियों से मारपीट करता है। फार्म हाउस कब्जा करने की कोशिश करता है। उनका आरोप है कि पिछले दिनों इंद्र बहादुर ने उनकी बाउंड्रीवाल पर लगे खंभे उखाड़ कर फेंक दिए। दीवार तोड़कर फार्म हाउस की जमीन जबरन कब्जा करने की कोशिश की। वहां कार्यरत कर्मचारियों ने विरोध किया तो उनके साथ मारपीट, गाली–गलौज व जान से मारने की धमकी दी।

डॉ. वंदना बंसल के अनुसार इंद्र बहादुर से उनका कोई न तो पहले विवाद रहा है और न अभी ही है। इसके बावजूद वह गुंडई के बल पर उनकी अचल संपत्ति कब्जा करना चाहता है। जिससे वह बहुत परेशान हैं। वहां काम करने वाले लोगों के साथ वह मारपीट करता है और ध मकी देता है। उनकी शिकायत पर औद्योगिक थाने में आरोपी इंद्र बहादुर के खिलाफ धारा 323, 504, 506 और 427 आईपीसी के तहत एफआईआर दर्ज कर ली गई है। जिसकी विवेचना पुलिस कर रही है। इंडस्ट्रियल एरिया थाने के एसआई अतुल कुमार ने बताया कि एफआईआर दर्ज कर ली गई है। जांच के बाद कार्रवाई की जाएगी।

# डिप्टी सीएम ने 52 करोड़ रूपये लागत से 347 परियोजनाओं का किया शिलान्यास

**प्रयाग दर्पण संवाददाता**

**प्रयागराज।** उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने गुरूवार को परेड ग्राउंड में आयोजित प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री आवास योजना के लाभार्थियों की कार्यशाला एवं ग्राम विकास विभाग द्वारा संचालित लगभग 52 करोड़ रूपये के लागत से 347 परियोजनाओं का बटन दबाकर शिलान्यास लोकार्पण किया। कार्यक्रम का शुभारम्भ उपमुख्यमंत्री ने दीप प्रज्जवलन कर किया। आयोजित कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री ने विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को सम्मानित किया, जिसमें प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के 30, मुख्यमंत्री आवास योजना के 20 लाभार्थियों को आवास की चाभी प्रदान किया। इसके साथ ही 03 स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को डेमो चेक, 05 बीसी सखियों को डिवाईस भी प्रदान किया। श्री मौर्य ने उत्कृष्ट कार्य करने वाली 03 बीसी सखी, 06 ग्राम प्रधान, 10 ग्राम विकास अधिकारी, 02 खण्ड विकास अधिकारियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री ने ''ग्राम्या'' नामक पुस्तिका का विमोचन भी किया। ग्राम विकास योजनाओं से सम्बंधित डॉक्यूमेंट्री फिल्म का प्रदर्शन भी किया

गया। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कार्यशाला में आये हुए विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों व जनसमुदाय को सम्बोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री गांव, गरीब, किसान, महिलाओं एवं युवाओं की उन्नति के लिए पूरी तरह से समर्पित एवं संकल्पित होकर कार्य कर रहे है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री गरीबों के दुखों–कष्टों को बहुत ही अच्छी तरह से समझते है, इसलिए केन्द्र व राज्य सरकार की हर योजनाओं में ऐसे सभी वर्गों का ध्यान रखा जा रहा है, जिससे उनका विकास हो और वे विकास की मुख्यधारा से जुड़ सके तथा समाज में कंधे से कंधा मिलाकर आगे बढ़ सके। आज गरीबों को पक्का मकान, शौचालय, गैस कनेक्शन, विद्युत कनेक्शन, आयुष्मान कार्ड के माध्यम से 5 लाख तक का मुफ्त इलाज सहित वे सभी जरूरी सुविधाएं उपलब्ध हो रही है, जिससे उनके जीवन स्तर में सुधार हुआ है और वे देश के विकास में अपना बहुमूल्य योगदान दे रहे है। उपमुख्यमंत्री जी ने कहा कि घरौनी बनाने का कार्य तेजी के साथ किया जा रहा है। उन्होंने जिला प्रशासन को अभियान चलाकर इस कार्य में और तेजी लाये जाने के लिए कहा है। छोटे किसानों की समस्याओं को समझते हुए प्रधानमंत्री ने किसान सम्मान निधि ा योजना शुरू की।

इस अवसर पर सांसद फूलपुर श्रीमती केशरी देवी पटेल ने सभी लाभार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि आज महिलाएं हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही है।

## केशव ने विपक्षियों पर साधा निशाना

**प्रयागराज।** यूपी के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने गुरुवार को विपक्षियों पर कटाक्ष किया। प्रयागराज के परेड ग्राउंड में करीब 41 करोड़ रुपए बजट की 342 कार्यों का लोकार्पण व शिलान्यास कार्यक्रम में वह हिस्सा लेने के लिए पहुंचे थे। यहां उन्होंने संबोधित करते हुए कहा कि 2024 में लोकसभा का चुनाव होने जा रहा है और सभी विपक्षी एकजुट होंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति दुष्प्रचार करेंगे। लेकिन पूरा देश मोदी के साथ खड़ी है, 2024 में वह फिर प्रध ाानमंत्री पद की बागडोर संभालने जा रहे हैं। 2019 के चुनाव में भी सभी एकजुट हुए थे लेकिन जनता के समर्थन से वह प्रधानमंत्री बने। केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि अभी तक सिर्फ झांकी ही चल रही थी। 2025 के महाकुंभ में पूरी पिक्चर देखिए। यहां उन्होंने, आवास पाए लाभार्थियों को प्रतीकात्मक चाबी प्रदान किया। इसी के साथ–साथ वह स्वयं सहायता समूह से जुड़ी महिलाएं व बीसी सखियों को भी सम्मानित किए। समूह के खाते में अलग अलग योजनाओं के तहत रुपये ट्रांसफर और अच्छा कार्य करने वाले कुछ ग्राम प्रधानों को भी उप मुख्यमंत्री ने सम्मानित किया। केशव प्रसाद ने कहा कि प्रधानमंत्री शहरी, ग्रामीण एवं मुख्यमंत्री आवास योजना के माध्यम से सिर्फ प्रयागराज में 2 लाख से ज्यादा आवास हमारी सरकार ने गरीबों को देने का काम किया है, जिन्हें घर मिला है उन्हें उसके साथ शौचालय भी मिला है। योजनाओं की बखान करते हुए उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री उज्जवला योजना के साथ साथ आयुष्मान भारत योजना के तहत लाभार्थियों को 5 लाख रुपये का मुफ्त इलाज कराने का कार्य इसी सरकार ने किया है।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक, प्रकाशक स्वतंत्र कुमार शुक्ल (याग्यवल्क्य) द्वारा रमा प्रिंटिंग प्रेस 53/25/1–ए, बेली रोड, नया कटरा, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर, 1269/1073 मां श्री आश्रम, मालवीय नगर, बाबा जी का बाग, प्रयागराज से प्रकाशित।

**–ः संस्थापक ः–**

स्व0 श्रीकांत शुक्ल उर्फ स्वामी कांतेश्वरानंद भारती काली बाबा

**संपादक**

स्वतंत्र कुमार शुक्ल (याग्यवल्क्य)

मोबाइल नंबर 9450475366

Email

prayagdarpan@gmail.com

**R.N.I. NO.UPHIN/2014/59804**

इस अंक में प्रकाशित समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदाई तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।